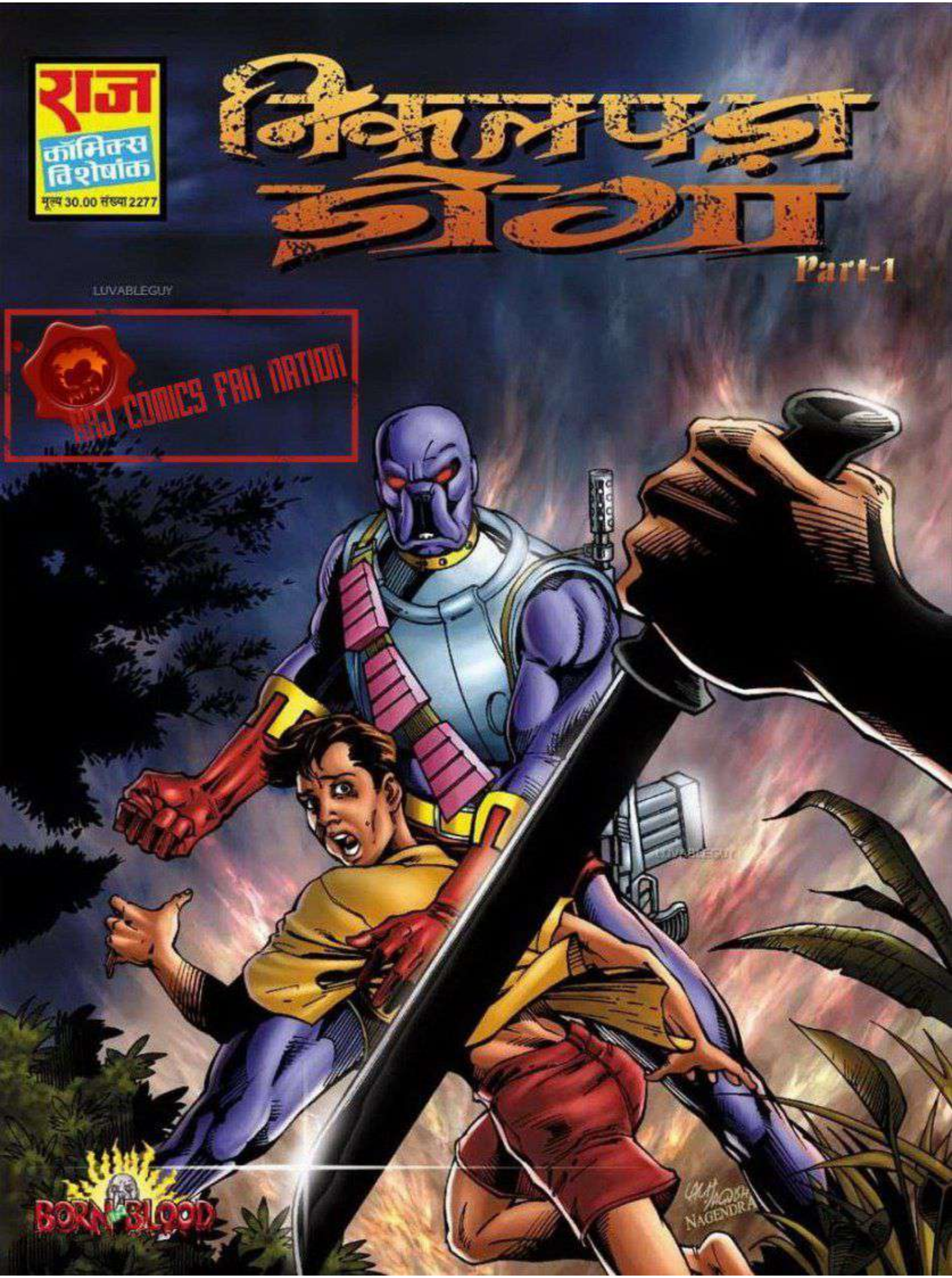

राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 30.00 संख्या 2277
किडनैपर गैंग
Part-1
LUVABLEGUY
RAJ COMICS FAN NATION
BORN IN BLOOD
NAGENDRA

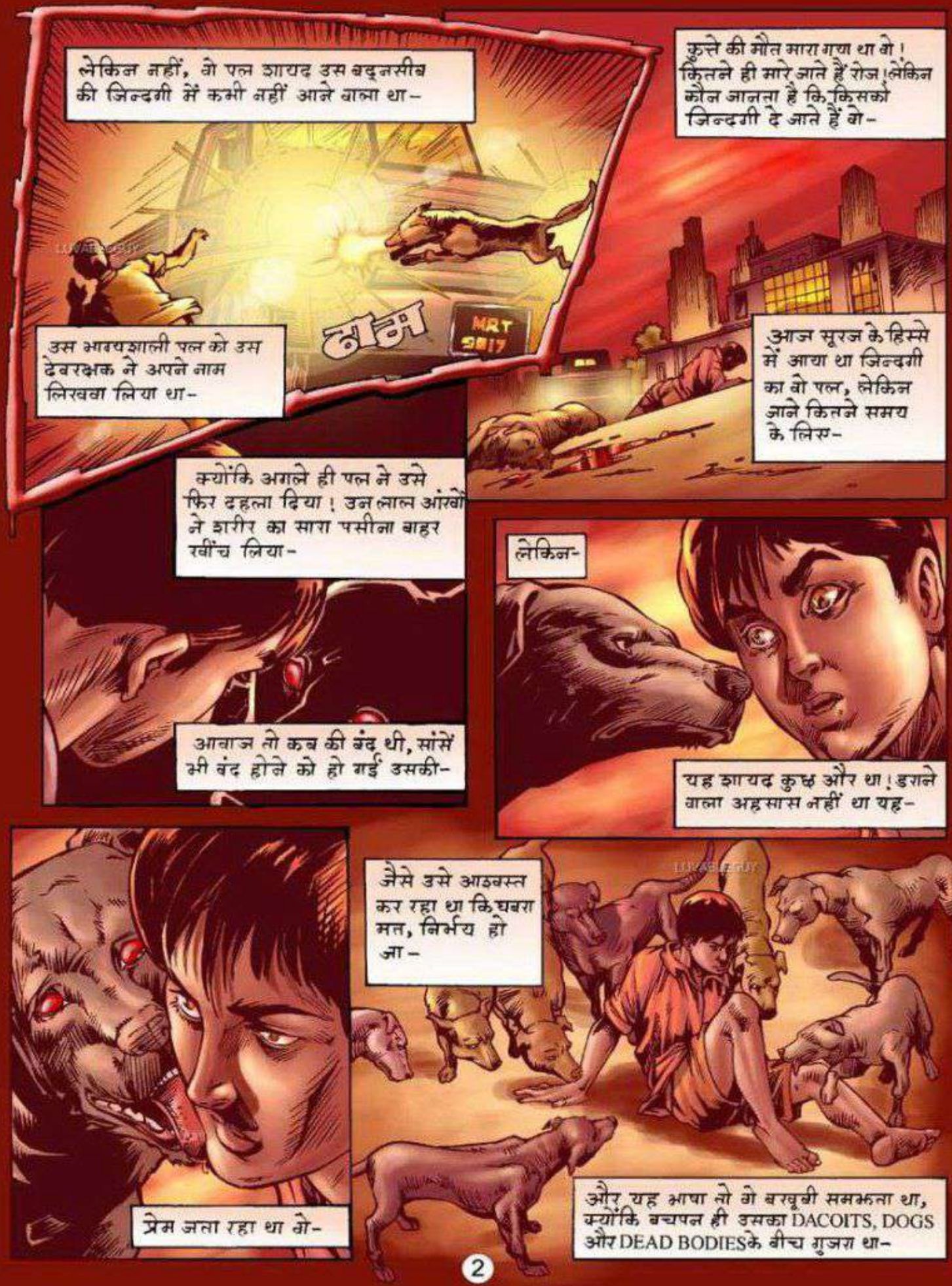

लेकिन नहीं, वो पल शायद उस बदनसीब की जिन्दगी में कभी नहीं आने वाला था–
उस भाग्यशाली पल को उस देवरक्षक ने अपने नाम लिखवा लिया था–
कुत्ते की मौत मारा गया था वो! कितने ही मारे जाते हैं रोज! लेकिन कौन जानता है कि किसको जिन्दगी दे जाते हैं वो–
आज सूरज के हिस्से में आया था जिन्दगी का वो पल, लेकिन जाने कितने समय के लिए–
क्योंकि अगले ही पल ने उसे फिर दहला दिया! उन लाल आंखों ने शरीर का सारा पसीना बाहर खींच लिया–
आवाज तो कब की बंद थी, सांसें भी बंद होने को हो गई उसकी–
लेकिन–
यह शायद कुछ और था! डराने वाला अहसास नहीं था यह–
प्रेम जता रहा था वो–
जैसे उसे आश्वस्त कर रहा था कि घबरा मत, निर्भय हो जा–
और यह भाषा तो वो बखूबी समझता था, क्योंकि बचपन ही उसका DACOITS, DOGS और DEAD BODIES के बीच गुजरा था–

लेकिन कुछ जिन्दगियां ऐसी होती हैं, जिन्हें ऊपर वाले ने एक पल भी शांति का नहीं दिया होता-

और सूरज तो उस लिस्ट में सबसे ऊपर था! इस आवाज का नाता तो उसकी जिन्दगी से वैसा ही बनने जा रहा था जैसा दिन और रात का होता है-

वो फिर दौड़ पड़ा! लेकिन इस बार वो अकेला नहीं था-

हिम्मत कुछ कर सकने की, आपदा से बच सकने की-

उसके कुत्ते साथियों ने आज उसे पहली बार उस द्वार में प्रविष्ट करा दिया था, जो जिन्दगी भर के लिए-

डर अकेले में भी होता है, और साथ में भी! लेकिन साथ में होती है हिम्मत भी-

उसका मार्ग बन जानी थी! उसका जीवन पथ बन जाना था वो गटर का प्रवेश द्वार-

आज उस गटर के दरकन को बंद नहीं किया था उन्होंने बल्कि हमेशा के लिए एक मुहर लगाई थी-

सूरज की भावी जिन्दगी पर-

कहां मर गया हरामखोर? एक बार मिल जाए तो खाल चीर डालूंगा साले की!

आज पहली बार सीलन भरे, बदबूदार अंधेरे गलियारे में उतरा था वो मासूम-

नहीं जानता था कि अब जीवन यहीं गुजरेगा उसका-

आंखें फाड़-फाड़कर देख रहा था उस नई दुनिया को! जो रहस्यमयी शांति में लिपटी हुई थी! एक सन्नाटा था, खौफनाक सन्नाटा-

उस सन्नाटे में गूंजा कुछ अपरिचित सा दिल दहलाऊ शोर-

और एक बार फिर मैं अकेला हूं का डर उसे जकड़ता चला गया-

चिन्धी बंध गई उसकी! मौत एक बार फिर उसे अपनी जिन्दगी दबोचती- सी लगने लगी-

कुछ नुकसान होने से पहले ही वो डर की अधिकता से अधमरा हो गया-

उसके बाद घुटना शुरू हो गया उसका दम-

पूरे शरीर में जैसे ब्लेड से घुसते चले गए-

अपने बचाव के लिए एक उंगली भी ना उठा पाया वो-

कुछ ही पल बाकी थे अब शायद-

और उसके जेहन में थी एक ही सूरत, उससे दूर जाती उसकी सोनू-

बस वो उसके होश का आखिरी पल था-

अगले ही पल वो अपने होश खोता चला गया-

अब मौत का सुरीला सन्नाटा उसके कानों को सुनाई दे रहा था-

लेकिन उस पल जब उसकी आंखें खुलीं-

गटर में ही मानो उसे फिर मिला था जन्म-

संजय गुप्ता पेश करते हैं।

रात के रक्षक डोगा का रोमांचक कॉमिक।

निकल पड़ा डोगा

BORN IN BLOOD

राज कॉमिक्स है मेरा जनून।

लेखक : संजय गुप्ता, तरुण कुमार वाही,
इंकिंग : नरेश कुमार,
चित्रांकन : स्टूडियो ईमेज,
कलर इफैक्ट्स : नगेंद्र, विश्वजया, शशांक,
रंग व सुलेख : सुनील पाण्डेय,
सम्पादक : मनीष गुप्ता

© RAJA POCKET BOOKS

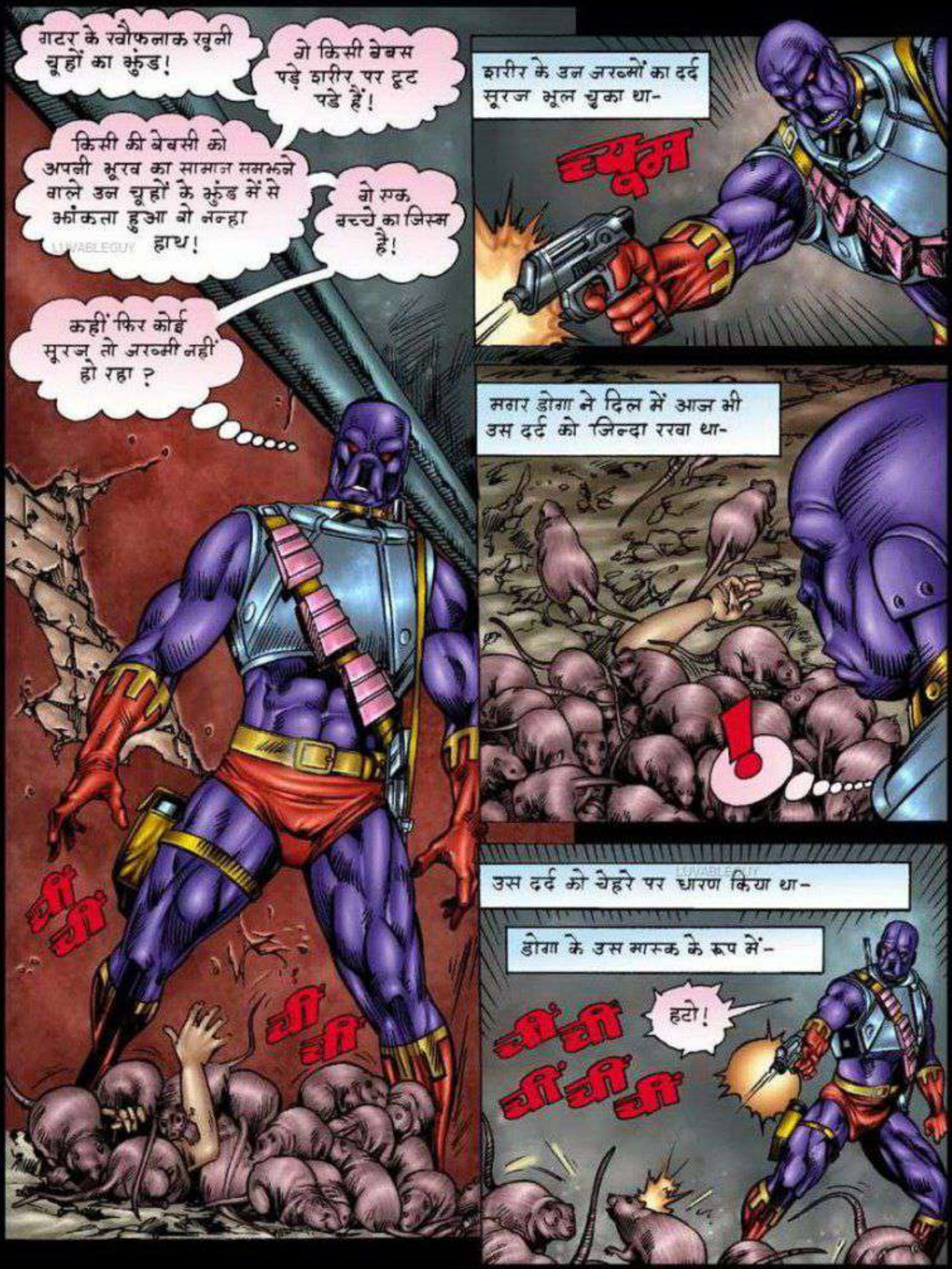
गटर के खौफनाक खूनी चूहों का झुंड!
ये किसी बेबस पड़े शरीर पर टूट पड़े हैं!
किसी की बेबसी को अपनी भूख का सामान समझने वाले उन चूहों के झुंड में से झांकता हुआ वो नन्हा हाथ!
ये एक बच्चे का जिस्म है!
कहीं फिर कोई सूरज तो जख्मी नहीं हो रहा ?
शरीर के उन जख्मों का दर्द सूरज भूल चुका था-
धूम
मगर डोगा ने दिल में आज भी उस दर्द को जिन्दा रखा था-
उस दर्द को चेहरे पर धारण किया था-
डोगा के उस मास्क के रूप में-
हटो!

ये दर्द ही वो ऊर्जा था, जो जुनून बनकर उस वक्त उसके खून में दौड़ जाता था! जब हिंसकता व दरिन्दगी के लाखों- करोड़ों दूइयों को अपने अंदर कैद किए हुए उसकी आंखें फिर से किसी गुनाह व जुल्म को होता देखती थीं-

इसमें जान बाकी है!

दरिन्दगी व हैवानियत की उन असीम पीड़ाओं ने ही शायद उस वक्त सूरज की जान बख्शी थी, जब वो खुद भी चूहे के पैने दांतों का शिकार हो रहा था-

दो- एक चूहों ने ही दांत मारे हैं! इसको गटर में फेंके हुए अभी ज्यादा देर नहीं हुई है!

सूरज को तब मरना नहीं था-

डोगा के रूप में-

ये वही बच्चा तो नहीं?

हड़बड़ी में यहां से भागते वक्त अपराधियों ने गटर का ढक्कन भी ठीक से नहीं रखा!

उसे हैवानियत के गटर के मौत के अंधेरों से निकलकर इंसानियत की दुनिया में वापस उदय होना था-

डोगा के मास्क में चीता से संपर्क के सभी साधन मौजूद थे-

चीता! मुझे फौरन डोगालिसिस विंग में तुम्हारी जरूरत है!

ठीक है! मैं पहुंचता हूं!

इस बच्चे की पहचान व बारीक क्लूज के लिए चीता की लोमड़ी जैसी विलक्षण जासूसी आंखों की जरूरत पड़ेगी!

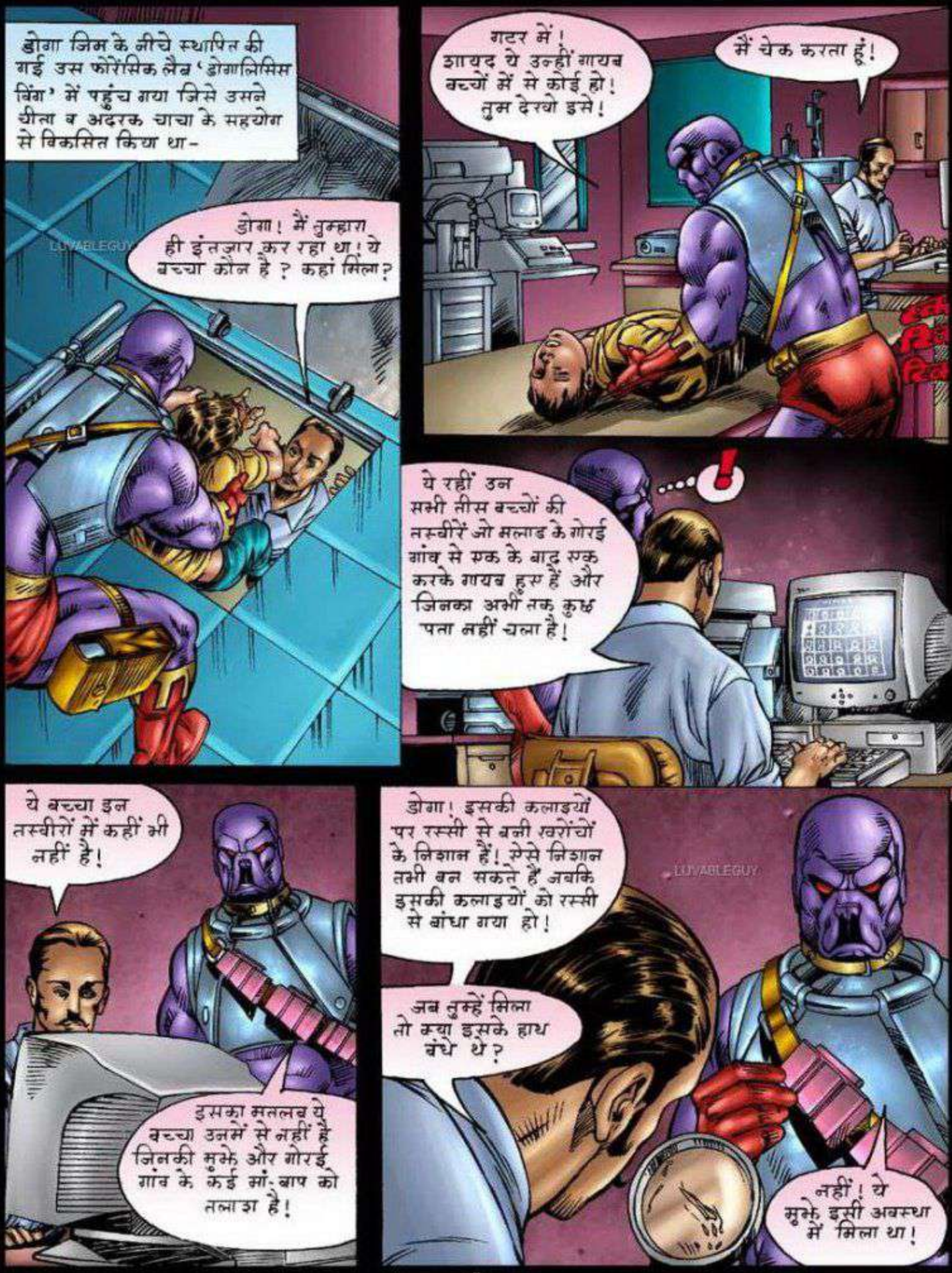
डोगा जिम के नीचे स्थापित की गई उस फोरेंसिक लैब 'डोगालिसिस विंग' में पहुंच गया जिसे उसने चीता व अंदरक चाचा के सहयोग से विकसित किया था-
डोगा! मैं तुम्हारा ही इंतज़ार कर रहा था! ये बच्चा कौन है? कहां मिला?
गटर में! शायद ये उन्हीं गायब बच्चों में से कोई हो! तुम देखो इसे!
मैं चेक करता हूं!
ये रहीं उन सभी तीस बच्चों की तस्वीरें जो मलाड के गोरई गांव से एक के बाद एक करके गायब हुए हैं और जिनका अभी तक कुछ पता नहीं चला है!
ये बच्चा इन तस्वीरों में कहीं भी नहीं है!
इसका मतलब ये बच्चा उनमें से नहीं है जिनकी मुझे और गोरई गांव के कई मां-बाप को तलाश है!
डोगा! इसकी कलाइयों पर रस्सी से बनी खरोंचों के निशान हैं! ऐसे निशान तभी बन सकते हैं जबकि इसकी कलाइयों को रस्सी से बांधा गया हो!
जब तुम्हें मिला तो क्या इसके हाथ बंधे थे?
नहीं! ये मुझे इसी अवस्था में मिला था!
LUVABLEGUY

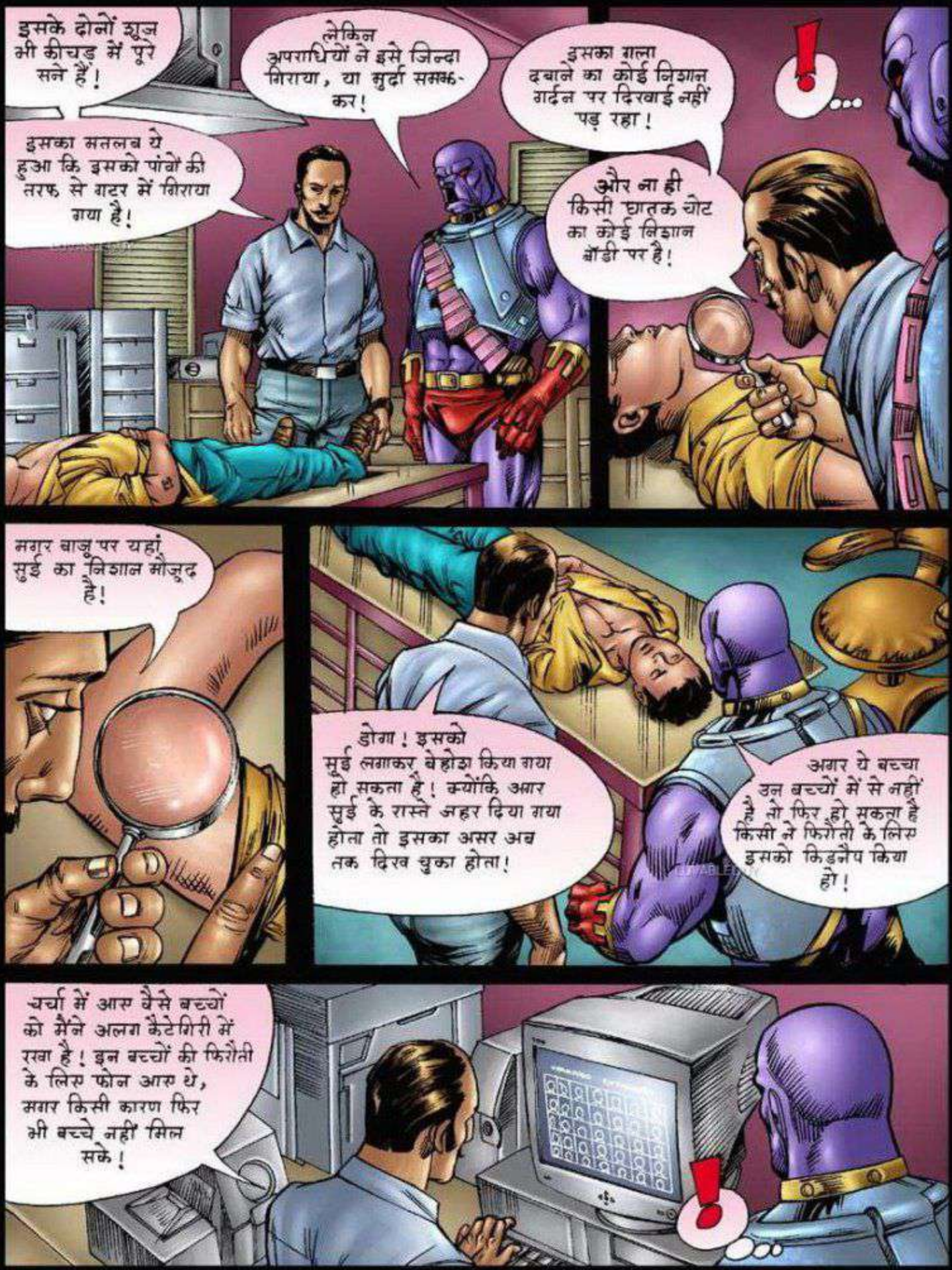
इसके दोनों शूज भी कीचड़ में पूरे सने हैं!
लेकिन अपराधियों ने इसे जिन्दा गिराया, या मुर्दा समझ-कर!
इसका गला दबाने का कोई निशान गर्दन पर दिखाई नहीं पड़ रहा!
...!
इसका मतलब ये हुआ कि इसको पांवों की तरफ से गटर में गिराया गया है!
और ना ही किसी घातक चोट का कोई निशान बॉडी पर है!
मगर बाजू पर यहां सुई का निशान मौजूद है!
डोगा! इसको सुई लगाकर बेहोश किया गया हो सकता है! क्योंकि अगर सुई के रास्ते जहर दिया गया होता तो इसका असर अब तक दिख चुका होता!
अगर ये बच्चा उन बच्चों में से नहीं है तो फिर हो सकता है किसी ने फिरौती के लिए इसको किडनैप किया हो!
चर्चा में आए वैसे बच्चों को मैंने अलग कैटेगिरी में रखा है! इन बच्चों की फिरौती के लिए फोन आए थे, मगर किसी कारण फिर भी बच्चे नहीं मिल सके!
...!

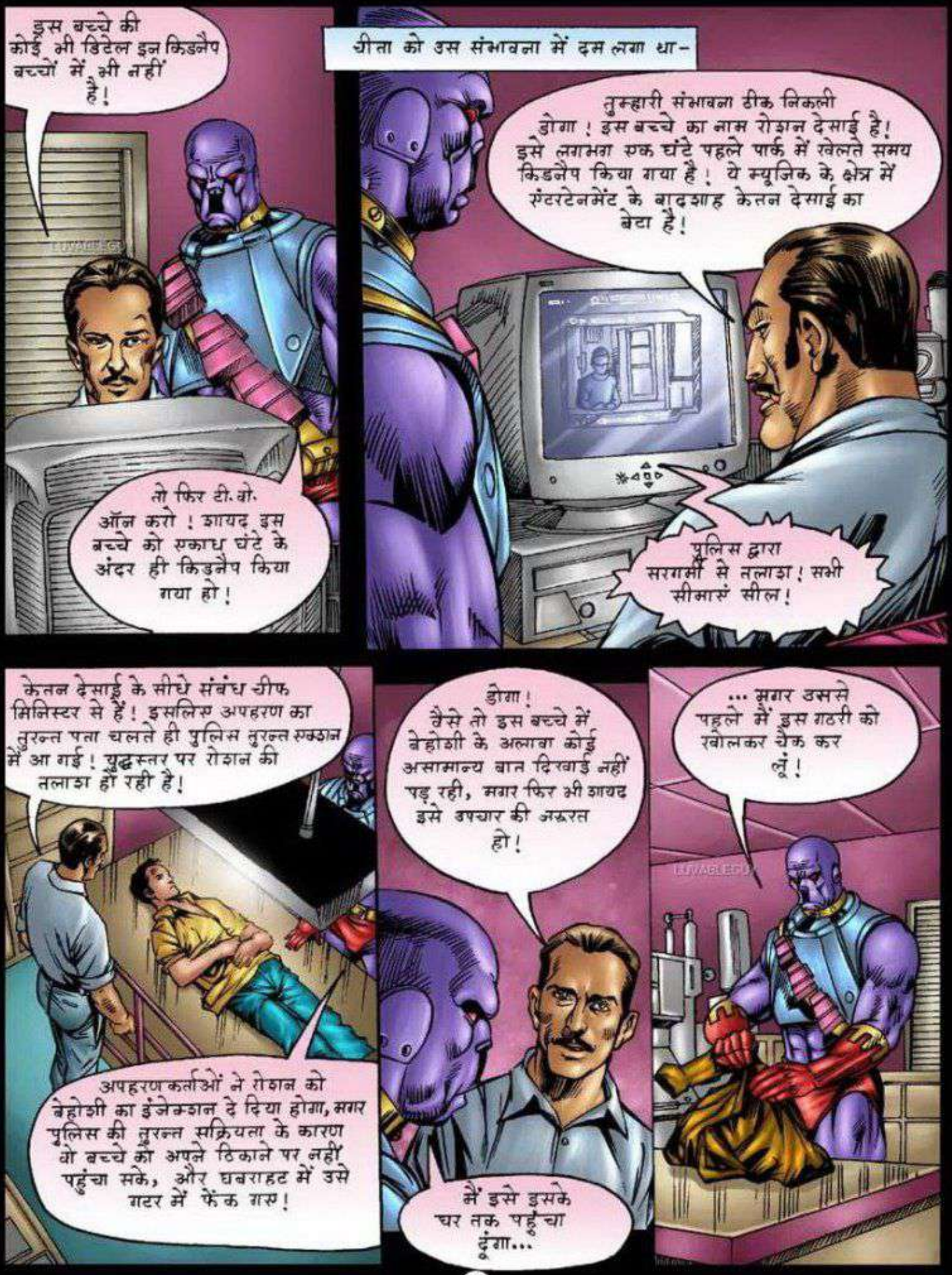
इस बच्चे की कोई भी डिटेल इन किडनैप बच्चों में भी नहीं है!
तो फिर टी.वी. ऑन करो! शायद इस बच्चे को एकाध घंटे के अंदर ही किडनैप किया गया हो!
गीता को उस संभावना में दम लगा था-
तुम्हारी संभावना ठीक निकली डोगा! इस बच्चे का नाम रोशन देसाई है! इसे लगभग एक घंटे पहले पार्क में खेलते समय किडनैप किया गया है! ये म्यूजिक के क्षेत्र में एंटरटेनमेंट के बादशाह केतन देसाई का बेटा है!
पुलिस द्वारा सरगर्मी से तलाश! सभी सीमाएं सील!
केतन देसाई के सीधे संबंध चीफ मिनिस्टर से हैं! इसलिए अपहरण का तुरन्त पता चलते ही पुलिस तुरन्त एक्शन में आ गई! युद्धस्तर पर रोशन की तलाश हो रही है!
अपहरण कर्ताओं ने रोशन को बेहोशी का इंजेक्शन दे दिया होगा, मगर पुलिस की तुरन्त सक्रियता के कारण वो बच्चे को अपने ठिकाने पर नहीं पहुंचा सके, और घबराहट में उसे गटर में फेंक गए!
डोगा! वैसे तो इस बच्चे में बेहोशी के अलावा कोई असामान्य बात दिखाई नहीं पड़ रही, मगर फिर भी शायद इसे उपचार की जरूरत हो!
मैं इसे इसके घर तक पहुंचा दूंगा...
... मगर उससे पहले मैं इस गठरी को खोलकर चैक कर लूं!

LION GYM
इसमें दो पिस्टल हैं!
ये मुझे इसके बेहोश शरीर के पास पड़ी मिली थी!
शायद इसमें से मुझे कोई क्लू मिले!
और ये शायद कोई 'मैप' है!
इसको खोलो!
इस पर यहां इस जगह पर क्रॉस का लाल निशान कैसा लगा है?
रोशन के हाथ-पांव बांधकर ये लोग रोशन को किडनैप करके इसी जगह पर ले जाने वाले होंगे!
मेरे ख्याल में तुम्हें जहां से रोशन मिला है, वहां ऊपर सड़क पर कहीं आसपास कोई पुलिस चैकपोस्ट होना चाहिए!
शायद पुलिस ने रोशन की ही तलाश में अस्थायी रूप से अचानक बनाया होगा! और इस बात की रोशन के किडनैपर्स को खबर नहीं होगी। चैक-पोस्ट देखकर वे लोग घबरा गए होंगे और पुलिस से बचने के लिए उन्होंने ना सिर्फ रोशन को ही बेहोशी का इंजेक्शन देकर बल्कि किडनैपिंग में इस्तेमाल अपना ये सामान भी गठरी में बांधकर गटर में फेंक दिया होगा!

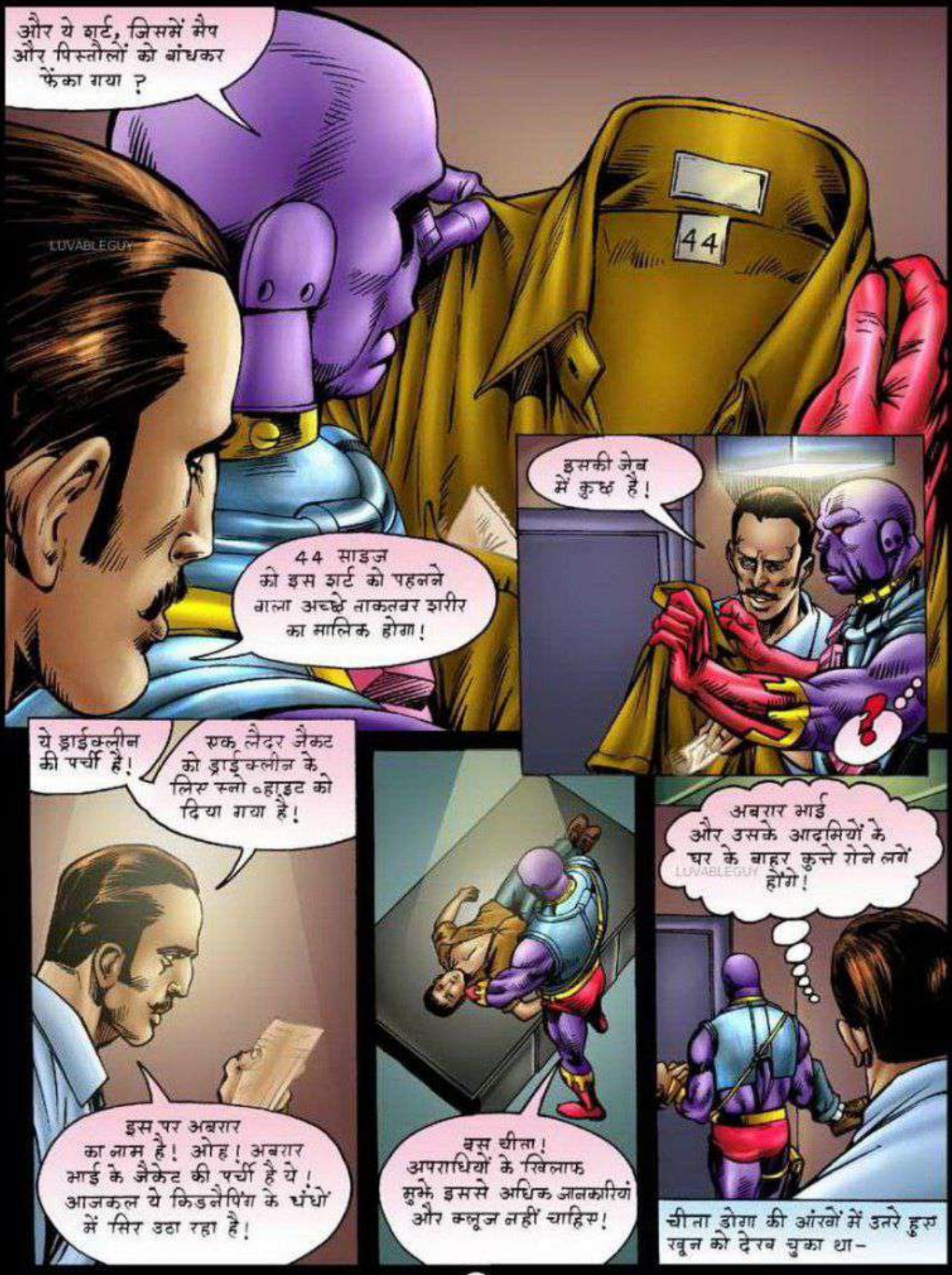
और ये शर्ट, जिसमें मैप और पिस्तौलों को बांधकर फेंका गया ?
44
44 साइज़ को इस शर्ट को पहनने वाला अच्छे ताकतवर शरीर का मालिक होगा!
इसकी जेब में कुछ है!
ये ड्राईक्लीन की पर्ची है!
एक लैदर जैकट को ड्राईक्लीन के लिए स्नो व्हाइट को दिया गया है!
इस पर अबरार का नाम है! ओह! अबरार भाई के जैकेट की पर्ची है ये! आजकल ये किडनैपिंग के धंधों में सिर उठा रहा है!
बस चीता! अपराधियों के खिलाफ मुझे इससे अधिक जानकारियां और क्लूज नहीं चाहिए!
अबरार भाई और उसके आदमियों के घर के बाहर कुत्ते रोने लगें होंगे!
चीता डोगा की आंखों में उतरे हुए खून को देख चुका था-

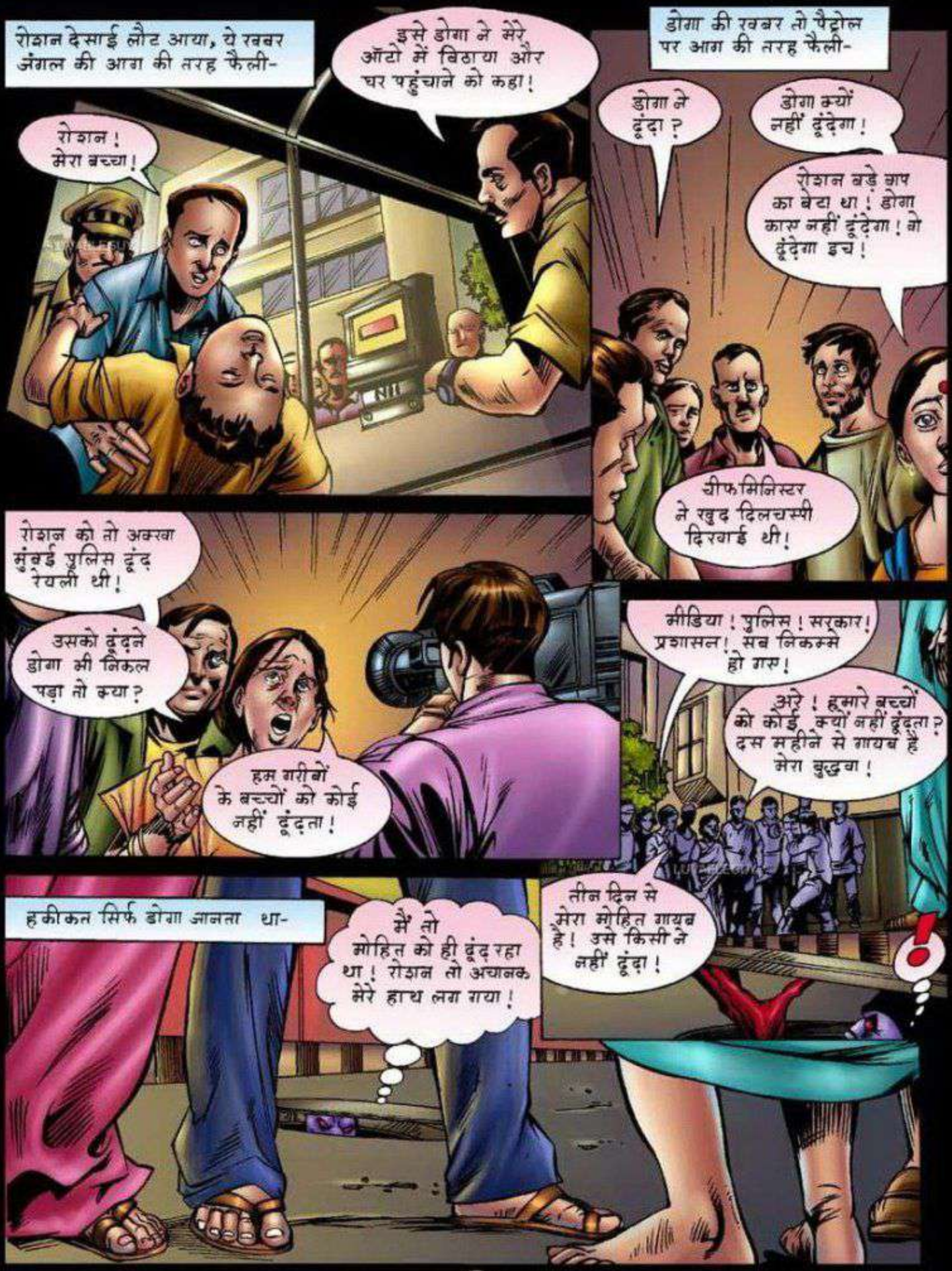
रोशन देसाई लौट आया, ये खबर जंगल की आग की तरह फैली-
इसे डोगा ने मेरे ऑटो में बिठाया और घर पहुंचाने को कहा!
रोशन! मेरा बच्चा!
डोगा की खबर तो पैट्रोल पर आग की तरह फैली-
डोगा ने ढूंढा?
डोगा क्यों नहीं ढूंढेगा!
रोशन बड़े बाप का बेटा था! डोगा कास नहीं ढूंढेगा! तो ढूंढेगा इच!
चीफमिनिस्टर ने खुद दिलचस्पी दिखाई थी!
रोशन को तो अकखा मुंबई पुलिस ढूंढ रेयली थी!
उसको ढूंढने डोगा भी निकल पड़ा तो क्या?
हम गरीबों के बच्चों को कोई नहीं ढूंढता!
मीडिया! पुलिस! सरकार! प्रशासन! सब निकम्मे हो गए!
अरे! हमारे बच्चों को कोई क्यों नहीं ढूंढता? दस महीने से गायब है मेरा बुद्धवा!
हकीकत सिर्फ डोगा जानता था-
मैं तो मोहित को ही ढूंढ रहा था! रोशन तो अचानक मेरे हाथ लग गया!
तीन दिन से मेरा मोहित गायब है! उसे किसी ने नहीं ढूंढा!

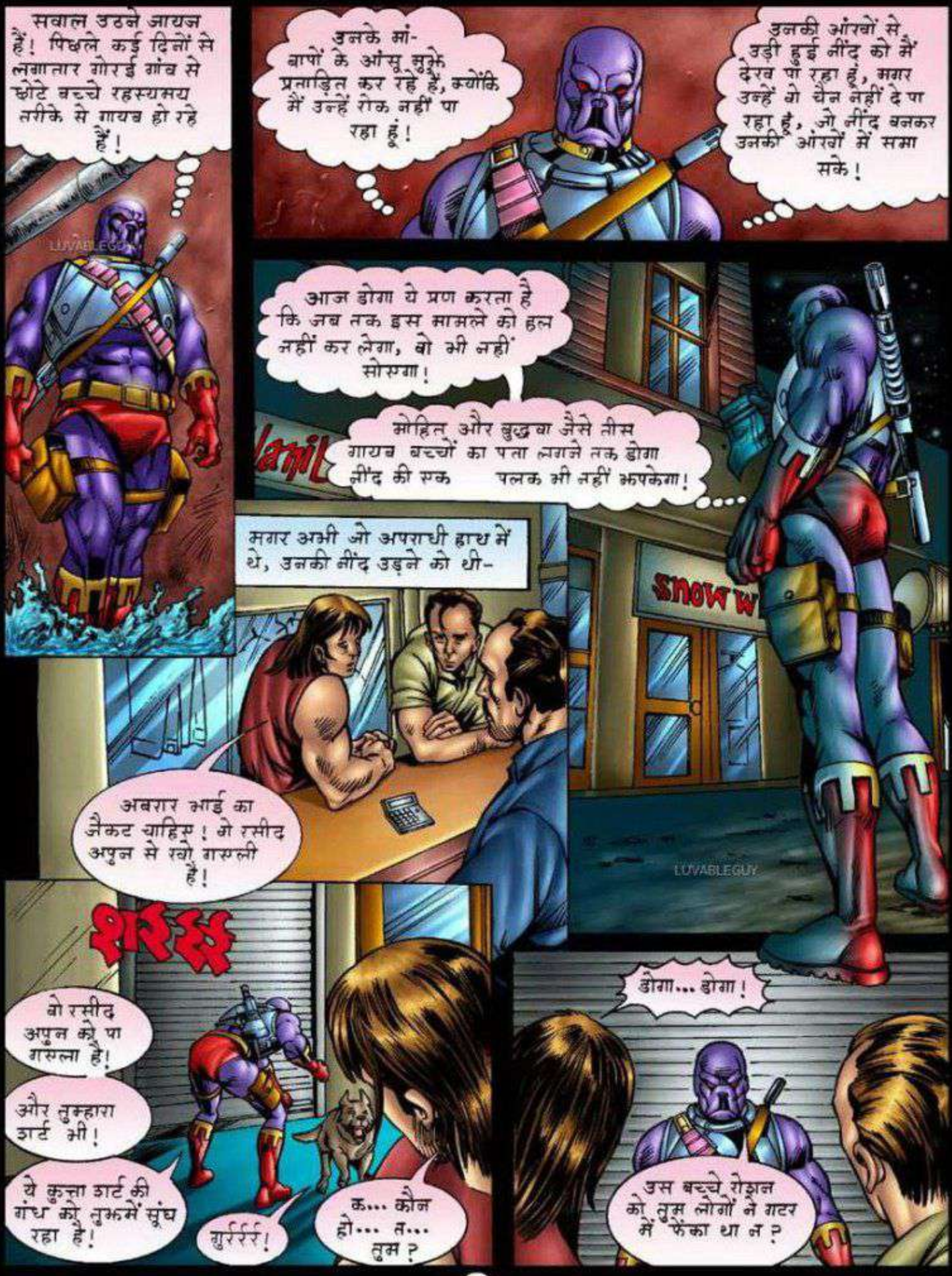

सवाल उठने जायज हैं! पिछले कई दिनों से लगातार गोरई गांव से छोटे बच्चे रहस्यमय तरीके से गायब हो रहे हैं!
उनके मां-बापों के आंसू मुझे प्रताड़ित कर रहे हैं, क्योंकि मैं उन्हें रोक नहीं पा रहा हूं!
उनकी आंखों से उड़ी हुई नींद को मैं देख पा रहा हूं, मगर उन्हें वो चैन नहीं दे पा रहा हूं, जो नींद बनकर उनकी आंखों में समा सके!
आज डोगा ये प्रण करता है कि जब तक इस मामले को हल नहीं कर लेगा, वो भी नहीं सोएगा!
मोहित और बुद्धवा जैसे तीस गायब बच्चों का पता लगने तक डोगा नींद की एक पलक भी नहीं झपकेगा!
मगर अभी जो अपराधी हाथ में थे, उनकी नींद उड़ने को थी-
अबरार भाई का जैकट चाहिए! वो रसीद अपुन से खो गयेली है!
शरड्ड
वो रसीद अपुन को पा गयेला है!
और तुम्हारा शर्ट भी!
ये कुत्ता शर्ट की गंध को तुममें सूंघ रहा है!
गुर्रर्रर!
क... कौन हो... त... तुम?
डोगा... डोगा!
उस बच्चे रोशन को तुम लोगों ने गटर में फेंका था न?

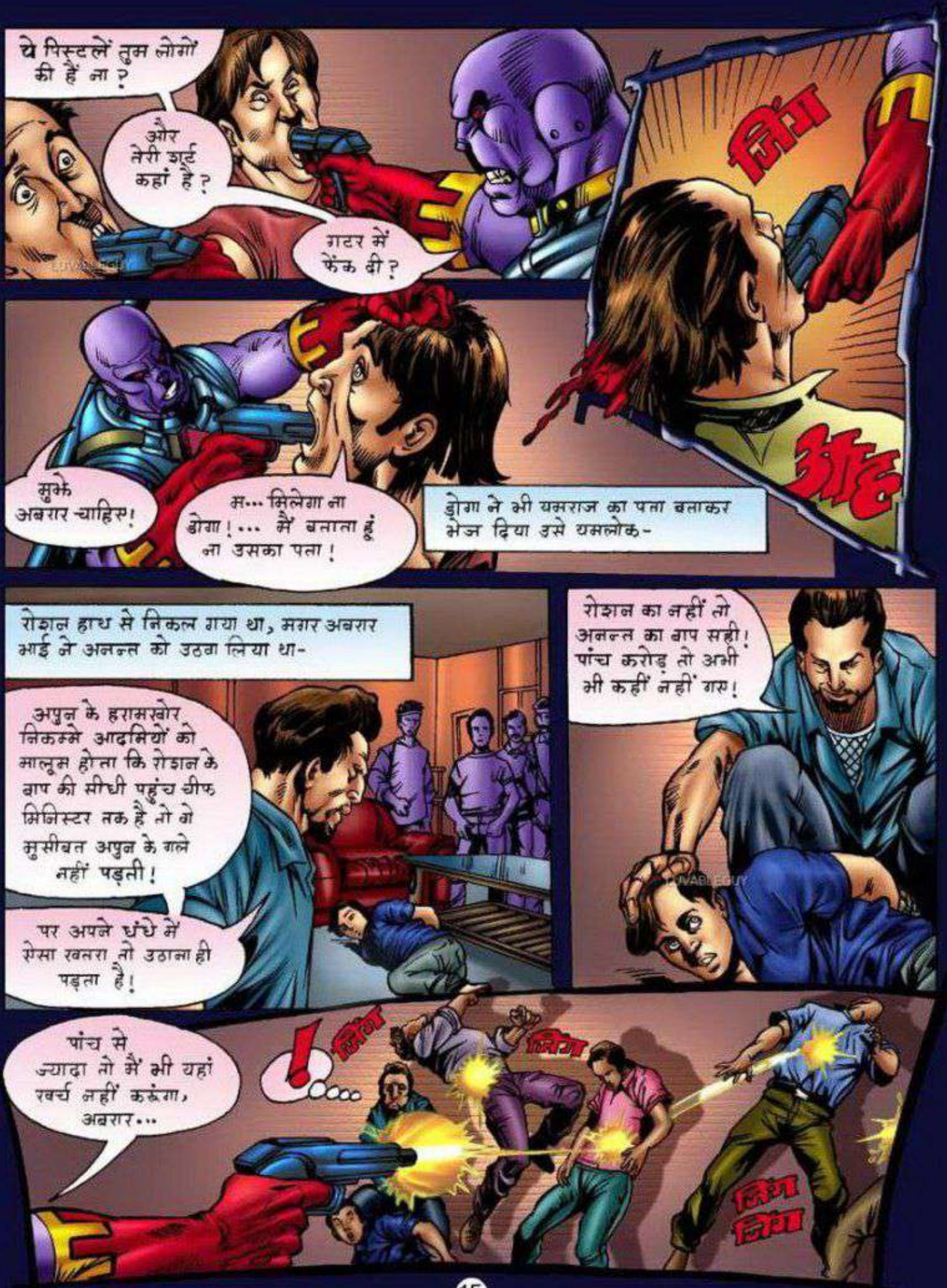
ये पिस्टलें तुम लोगों की हैं ना ?
और तेरी शूट कहां है ?
गटर में फेंक दी ?
सिंग
ओह
मुझे अबरार चाहिए!
स... मिलेगा ना डोगा! ... मैं बताता हूं ना उसका पता!
डोगा ने भी यमराज का पता बताकर भेज दिया उसे यमलोक-
रोशन हाथ से निकल गया था, मगर अबरार भाई ने अनन्त को उठवा लिया था-
अपुन के हरामखोर निकम्मे आदमियों को मालूम होता कि रोशन के बाप की सीधी पहुंच चीफ मिनिस्टर तक है तो वो मुसीबत अपुन के गले नहीं पड़ती!
पर अपने धंधे में ऐसा खतरा तो उठाना ही पड़ता है!
रोशन का नहीं तो अनन्त का बाप सही! पांच करोड़ तो अभी भी कहीं नहीं गए!
पांच से ज्यादा तो मैं भी यहां खर्च नहीं करूंगा, अबरार...
!...
सिंग
सिंग
सिंग
सिंग

... चार गोलियां खर्च कर दीं... पांचवीं तुझ पर करूंगा!
धांय
मगर साथ ही मासूम बच्चों पर किए गए जुल्मों का हिसाब भी तुझसे लूंगा!
थड़ आह
डोगा? आ... अंह!
इंसानियत को शर्मिन्दा करने वाली जो दरिन्दगी तेरे आदमियों ने रोशन को गटर में फेंककर दिखाई, उसका हिसाब तू ही देगा!
झनाक
तेरी टांगें तोड़कर...
आह
... दोनों हाथ बांधकर...
... तुझे...

कहानी 19 पेज से जारी

...लाकर गटर में फेंकूंगा...
...ना तू भाग पाएगा हराम-खोर! ना हटा पाएगा!...
...सामने मौत है...
चींचीं
नहींऽऽऽ
...खाया जाएगा!
आह! ड... डोगा बचा लो! डोगा बचा लो!
डोगा क्यों बचाएगा?
अमन, चैन, व खुशियों के हत्यारों को क्यों बचाएगा डोगा?
वो तो मारेगा! पूरी दरिन्दगी दिखाएगा उन पर-
डरना नहीं! बहादुर बनना!
!
डरने वाले को 'चूहे' भी डरा देते हैं!
हिम्मत, हौंसले के साथ डटे रहो तो शेर भी तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता!
!
ठहरो डोगा!
चलो! तुम्हें किसी सुरक्षित जगह पर छोड़ दूंगा, जहां से तुम खुद अपने घर आ सकोगे!

मेरे मम्मी पापा मुझे बहुत प्यार करते हैं! मेरी किडनैपिंग के बाद वो बहुत रोए होंगे! अभी तक रो रहे होंगे!
रोएंगे वो तब भी, जब मुझे ठीक-ठाक अपने सामने खड़ा पाएंगे!...
...मगर तब जो बहेंगे वो खुशी के आंसू होंगे!
और वो खुशी उन्हें तुम्हारी बदौलत मिलेगी डोगा!
मगर तब तुम मुझे वहां नहीं मिलोगे, ताकि मैं तुम्हारा शुक्रिया अदा कर सकूं!
आंसुओं का इंसान से भावनाओं का रिश्ता होता है!
भावनाएं, जिनसे रिश्ते जिन्दा रहते हैं!
रिश्ते, जिनसे इंसान जिन्दा रहते हैं!
इंसान, जिनसे मिलकर वो समाज जिन्दा रहता है! जिसमें हम रहते हैं!
हम यानी मैं भी! तुम भी! और 'और' लोग भी!
एक-दूसरे के सहयोग से बने इस समाज में रहने वाले हर इंसान का कर्तव्य है कि दूसरे को खुशी दे! और जब कोई अपना कर्तव्य पूरा करता है तो उसका शुक्रिया अदा करने की जरूरत नहीं होती! तुम्हारा घर आ गया! टेक केयर!
!

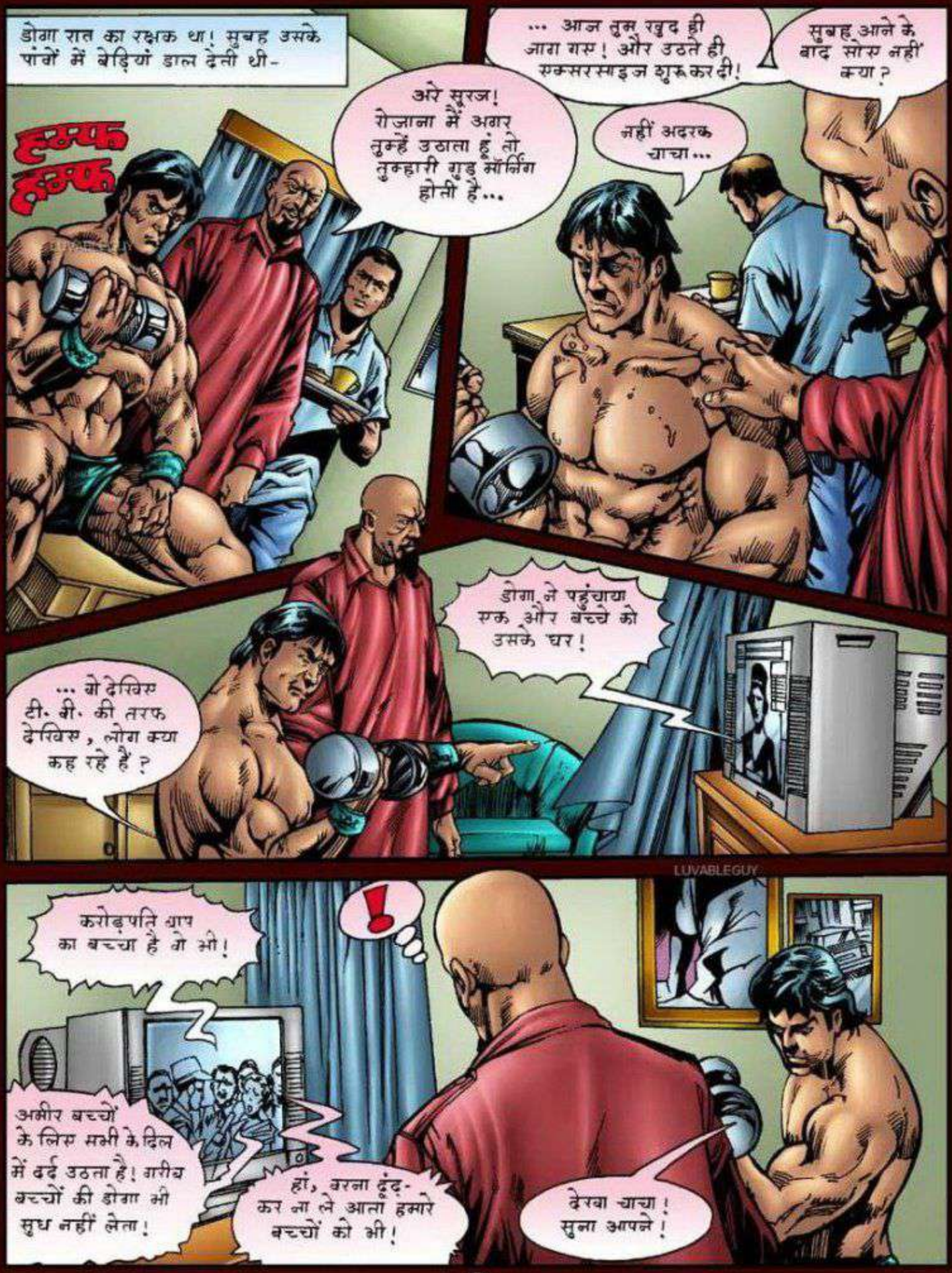
डोगा रात का रक्षक था! सुबह उसके पांवों में बेड़ियां डाल देती थी-
हम्फ हम्फ
अरे सूरज! रोज़ाना मैं अगर तुम्हें उठाता हूं तो तुम्हारी गुड मॉर्निंग होती है...
... आज तुम खुद ही जाग गए! और उठते ही एक्सरसाइज शुरू कर दी!
सुबह आने के बाद सोए नहीं क्या?
नहीं अदरक चाचा...
डोगा ने पहुंचाया एक और बच्चे को उसके घर!
... वो देखिए टी. वी. की तरफ देखिए, लोग क्या कह रहे हैं?
LUVABLEGUY
करोड़पति बाप का बच्चा है वो भी!
अमीर बच्चों के लिए सभी के दिल में दर्द उठता है! गरीब बच्चों की डोगा भी सुध नहीं लेता!
हां, वरना ढूंढ-कर ना ले आता हमारे बच्चों को भी!
देखा चाचा! सुना आपने!

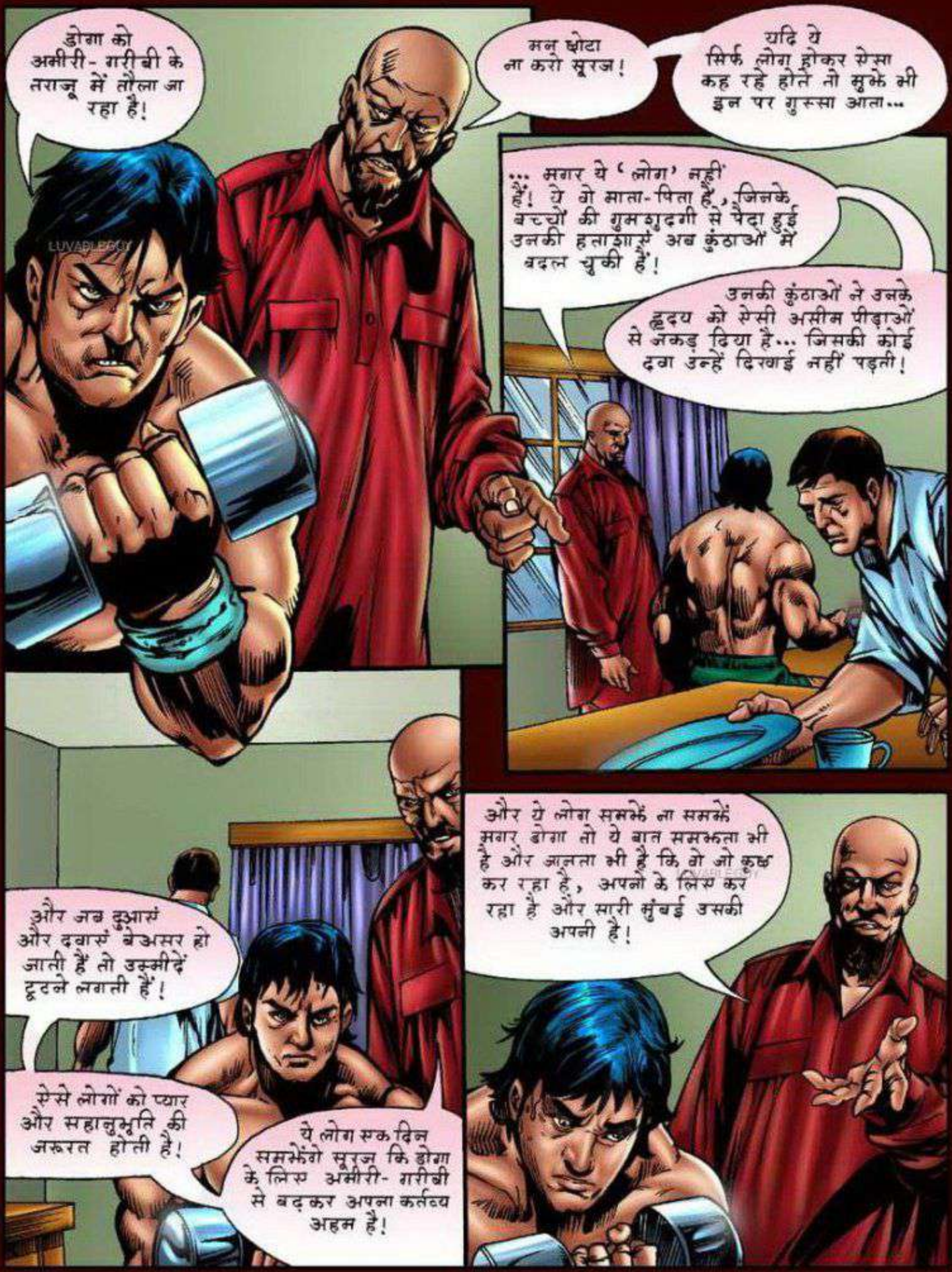

डोगा को अमीरी- गरीबी के तराजू में तौला जा रहा है!
मन छोटा ना करो सूरज!
यदि ये सिर्फ लोग होकर ऐसा कह रहे होते तो मुझे भी इन पर गुस्सा आता...
...मगर ये 'लोग' नहीं हैं! ये वो माता-पिता हैं, जिनके बच्चों की गुमशुदगी से पैदा हुई उनकी हताशाएं अब कुंठाओं में बदल चुकी हैं!
उनकी कुंठाओं ने उनके हृदय को ऐसी असीम पीड़ाओं से जकड़ दिया है... जिसकी कोई दवा उन्हें दिखाई नहीं पड़ती!
और जब दुआएं और दवाएं बेअसर हो जाती हैं तो उम्मीदें टूटने लगती हैं!
ऐसे लोगों को प्यार और सहानुभूति की जरूरत होती है!
ये लोग एक दिन समझेंगे सूरज कि डोगा के लिए अमीरी- गरीबी से बढ़कर अपना कर्तव्य अहम है!
और ये लोग समझें ना समझें मगर डोगा तो ये बात समझता भी है और जानता भी है कि वो जो कुछ कर रहा है, अपनों के लिए कर रहा है और सारी मुंबई उसकी अपनी है!

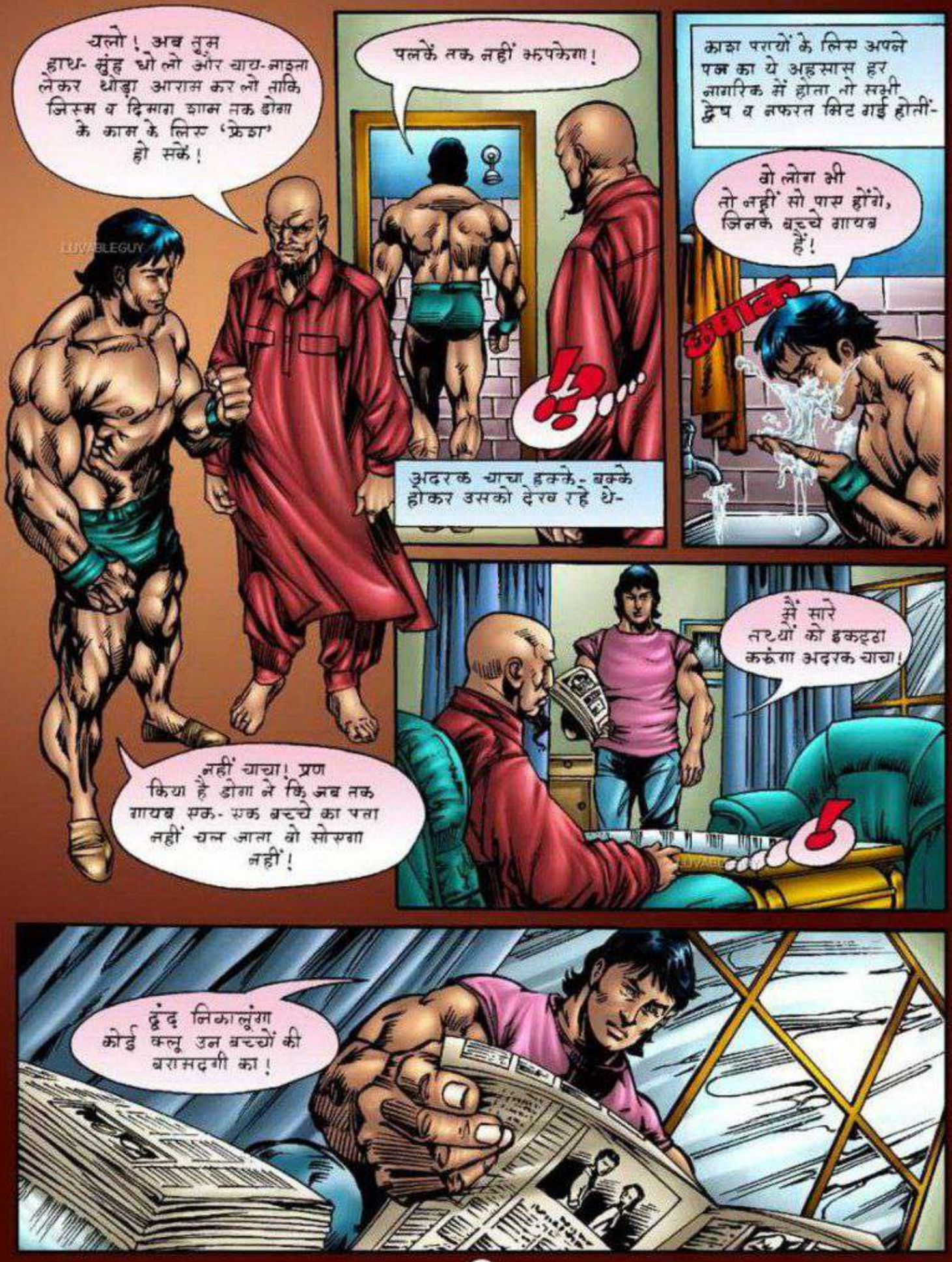
चलो ! अब तुम हाथ- मुंह धो लो और चाय-नाश्ता लेकर थोड़ा आराम कर लो ताकि जिस्म व दिमाग शाम तक डोगा के काम के लिए 'फ्रेश' हो सकें !
पलकें तक नहीं झपकेगा !
काश परायों के लिए अपने पन का ये अहसास हर नागरिक में होता तो सभी द्वेष व नफरत मिट गई होतीं-
वो लोग भी तो नहीं सो पास होंगे, जिनके बच्चे गायब हैं !
अचानक
अदरक चाचा हक्के- बक्के होकर उसको देख रहे थे-
मैं सारे तथ्यों को इकट्ठा करूंगा अदरक चाचा !
नहीं चाचा ! प्रण किया है डोगा ने कि जब तक गायब एक- एक बच्चे का पता नहीं चल जाता वो सोएगा नहीं !
ढूंढ निकालूंगा कोई क्लू उन बच्चों की बरामदगी का !

रवून का खतरा वाले केस में भी ऐसा ही था! एक खौफनाक हत्यारा मेरी आंखों से दूर था। मगर मैंने उसे ढूंढ निकाला था चाचा!
इन गायब बच्चों का रहस्य भी ढूंढ निकालूंगा! उसी हत्यारे की तरह!
तुम्हारे ना सोने के फैसले पर मुझे चिन्ता हो रही है सूरज!
ये फैसला ठीक नहीं है!
इंशाल्लाह! तुम्हें सफलता जरूर मिलेगी सूरज! मगर बच्चों के गायब होने का सिलसिला पिछले छः महीनों से जारी है!
कुछ मिला?
गोरई गांव से जुड़े इस केस में मानव अंगों के व्यापारियों, छोटे बच्चों को गायब कर उनसे भीख मंगवाने वालों पर भी शक जाहिर किया गया है!
एक बार फिर सूरज अपने 'डोगालिसिस विंग' में था-
मुंबई पुलिस की वेबसाइट मुंबई पुलिस डॉट कॉम पर मुझे ऐसे सभी गायब बच्चों की लिस्ट मिल सकती है!
सभी गायब तीस बच्चों की लिस्ट का प्रिंट मेरे हाथ में है!

डोगा ने अपनी सारी दिमाग़ी क्षमतायें झोंकनी थी-
डोगा तुम?
अंदर आने दो!
डर गए थे वो लोग! सुबह टी.वी. पर डोगा के खिलाफ जो बोला था-
देखो मेरे चेहरे को!
कुत्ते का मास्क क्यों धारण किया है मैंने?
इसलिए क्योंकि कुत्ता वफादारी का प्रतीक है!
दोस्त है मानव का!
तुम्हारा बच्चा रवि प्रकाश गायब हुआ है! तुम्हारी छाती में फूटते दुःख के सैकड़ों फोड़ों की पीड़ा का कोई अन्त नहीं!
औलाद का दुःख छाती चीर देता है! रामप्रकाश!
मगर दुःख को छाती में दबाकर रखो!
उसे आंसुओं के रूप में बहने मत दो!
क्योंकि आंसू कमजोरी की निशानी हैं!
आंसू बहाकर तुमने कमजोरी का प्रदर्शन किया! इनको लावे की तरह दिल में रखो और फूट जाने दो अंदर के ज्वालामुखी को!
अपने हक के लिए आवाज बुलन्द करो!
ऐसा धमाका करो कि कानून के कान फट जायें!
उसको उसका काम याद दिलाओ!
और रही डोगा की बात तो निकल पड़ा है डोगा!
अब वो पनाहें भी थर्रायेंगी उन अपराधियों को पनाह देने में, जिन्होंने बच्चों को गायब किया है!

तुम सिर्फ मुझे ये बताओ कि तुम्हारा बच्चा रवि किन परिस्थितियों में कहां गायब हुआ था? गायब होने से पहले आखिरी वक्त में वो किसके साथ था? कहां गया था?
डोगा ने उससे प्रश्न पूछे -
राम प्रकाश जितना जानता था बताता चला गया -
... अब मैं उन तीस परिवारों के साथ मिलकर पुलिस प्रशासन और कानून की आंखें खोलूंगा!
तुमने मेरी आंखें खोली हैं डोगा! अब मैं आंसू नहीं बहाऊंगा! मेरा बच्चा खोया है! पुलिस और कानून की जिम्मेदारी बनती है उसको ढूंढना...
उन्हें उनकी जिम्मेदारी का अहसास करायेंगे अब हम तीस परिवार मिलकर!
तुम्हारे खिलाफ बोला! शर्मिन्दा हूं डोगा! तब तुम्हें जानता नहीं था! अब जान गया हूं कि डोगा क्या है?
तुम जो कुछ पूछना व जानना चाहते हो, बताऊंगा!
सोए ज्वालामुखी भड़क उठे थे -
POLICE STATION
GOREGAON
गोरई गांव पुलिस...
मुर्दाबाद! मुर्दाबाद!

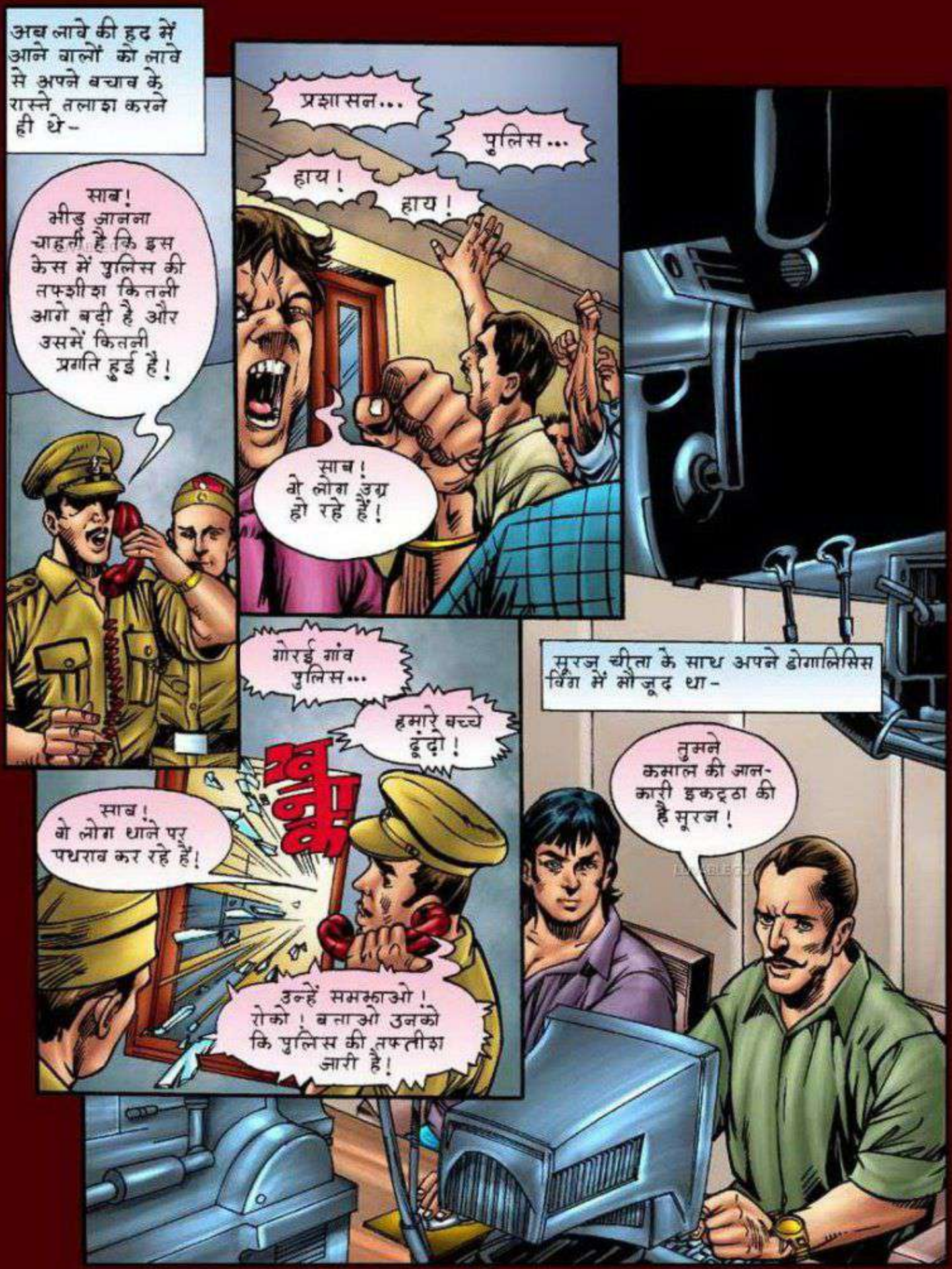

अब लावे की हद में आने वालों को लावे से अपने बचाव के रास्ते तलाश करने ही थे-
साब! भीड़ जानना चाहती है कि इस केस में पुलिस की तफ्तीश कितनी आगे बढ़ी है और उसमें कितनी प्रगति हुई है!
प्रशासन...
पुलिस...
हाय!
हाय!
साब! वो लोग उग्र हो रहे हैं!
गोरई गांव पुलिस...
हमारे बच्चे ढूंढो!
खनाक
साब! वो लोग थाने पर पथराव कर रहे हैं!
उन्हें समझाओ! रोको! बताओ उनको कि पुलिस की तफ्तीश जारी है!
सूरज चीता के साथ अपने डोगालिसिस विंग में मौजूद था-
तुमने कमाल की जानकारी इकट्ठा की है सूरज!

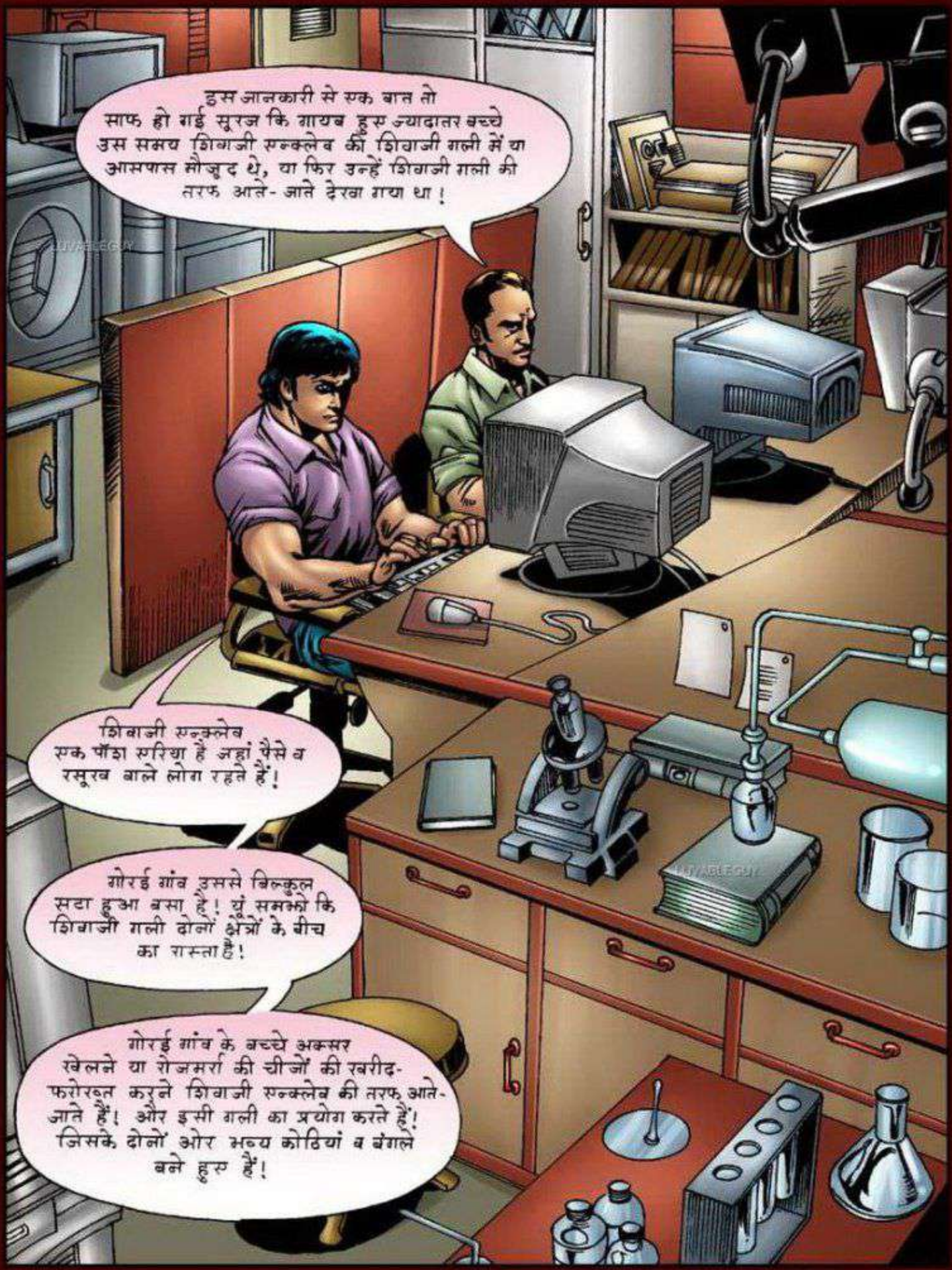
इस जानकारी से एक बात तो साफ हो गई सूरज कि गायब हुए ज्यादातर बच्चे उस समय शिवाजी एन्क्लेव की शिवाजी गली में या आसपास मौजूद थे, या फिर उन्हें शिवाजी गली की तरफ आते-जाते देखा गया था!
शिवाजी एन्क्लेव एक पॉश एरिया है जहां पैसे व रसूख वाले लोग रहते हैं!
गोरई गांव उससे बिल्कुल सटा हुआ बसा है! यूं समझो कि शिवाजी गली दोनों क्षेत्रों के बीच का रास्ता है!
गोरई गांव के बच्चे अक्सर खेलने या रोजमर्रा की चीजों की खरीद-फरोख्त करने शिवाजी एन्क्लेव की तरफ आते-जाते हैं! और इसी गली का प्रयोग करते हैं! जिसके दोनों ओर भव्य कोठियां व बंगले बने हुए हैं!

और इनमें से एक बंगला उस डॉक्टर का भी है, दो साल पहले जिसका नाम अवैध किडनी के व्यापार के साथ जुड़ा था!
और सुबूतों के अभाव में उस वक्त डॉक्टर इदरीस को छोड़ दिया गया था!
क्या तुम उस पर इस मामले में भी जुड़े होने का संदेह कर रहे हो!
मैं उस पर शक क्यों ना करूं? उसका दामन पाक साफ तो नहीं!

तुम नहीं जानते चीता!
तीस मासूम बच्चों की 'आहें' और 'कराहें' आग की भयानक लपटों की तरह मेरे ईर्द-गिर्द- हर वक्त मंडरा रही हैं!
उन भीषण लपटों की तपिश मैं हर समय अपने शरीर पर महसूस कर रहा हूं!
ये तपिश मुझे जला रही है चीता!
इन लपटों को ठंडे पानी की बौछारें चाहिए!
और ऐसा तभी होगा, जब डोगा इस केस को 'सॉल्व' कर लेगा!
LOVABLEGUY
LOVABLEGUY

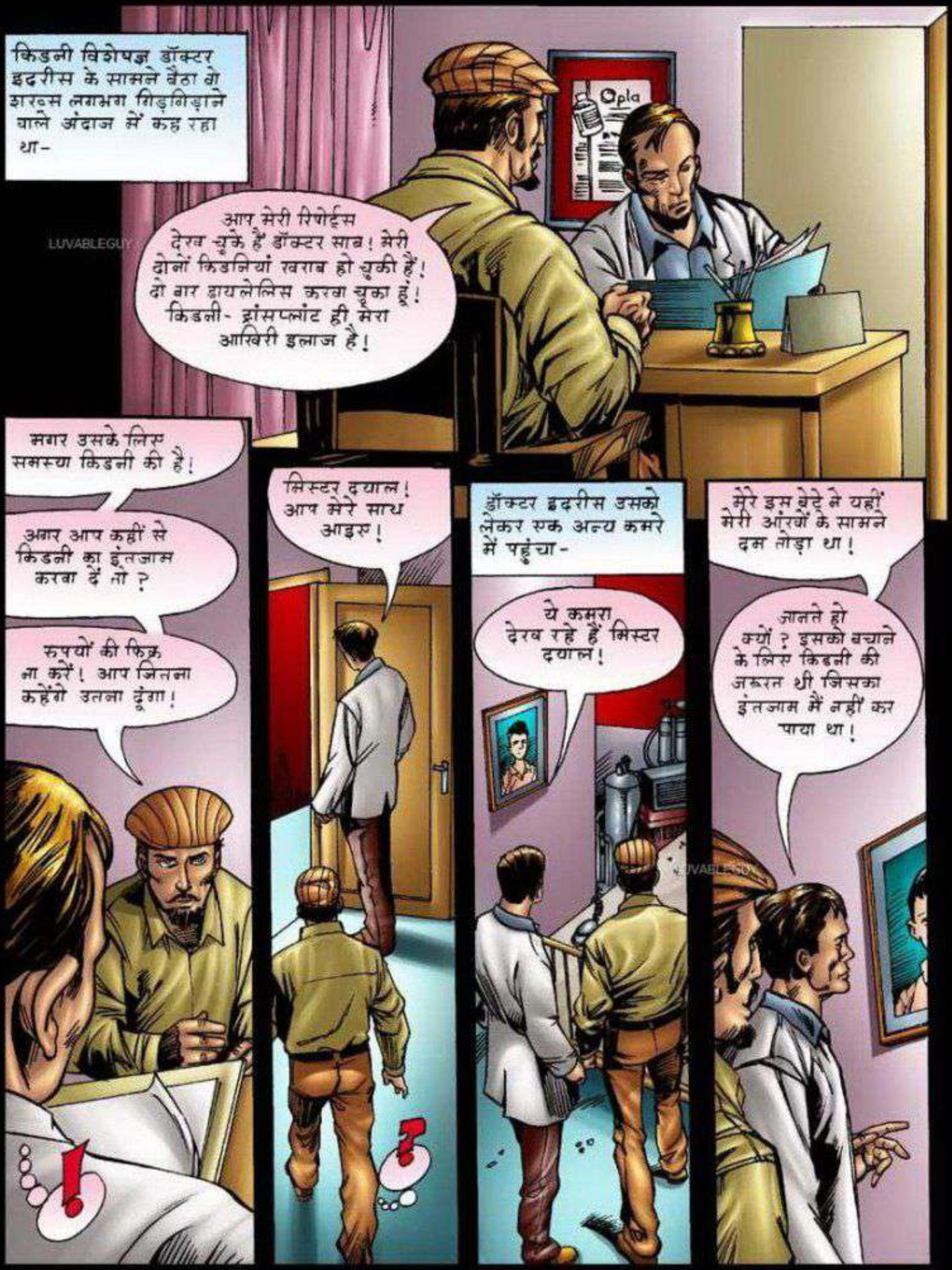
किडनी विशेषज्ञ डॉक्टर इदरीस के सामने बैठा वो शख्स लगभग गिड़गिड़ाने वाले अंदाज में कह रहा था-
आप मेरी रिपोर्ट्स देख चुके हैं डॉक्टर साब! मेरी दोनों किडनियां खराब हो चुकी हैं! दो बार डायलेलिस करवा चुका हूं! किडनी- ट्रांसप्लांट ही मेरा आखिरी इलाज है!
LUVABLEGUY
मगर उसके लिए समस्या किडनी की है!
अगर आप कहीं से किडनी का इंतजाम करवा दें तो?
रुपयों की फिक्र ना करें! आप जितना कहेंगे उतना दूंगा!
मिस्टर दयाल! आप मेरे साथ आइए!
डॉक्टर इदरीस उसको लेकर एक अन्य कमरे में पहुंचा-
ये कमरा देख रहे हैं मिस्टर दयाल!
मेरे इस बेटे ने यहीं मेरी आंखों के सामने दम तोड़ा था!
जानते हो क्यों? इसको बचाने के लिए किडनी की जरूरत थी जिसका इंतजाम मैं नहीं कर पाया था!

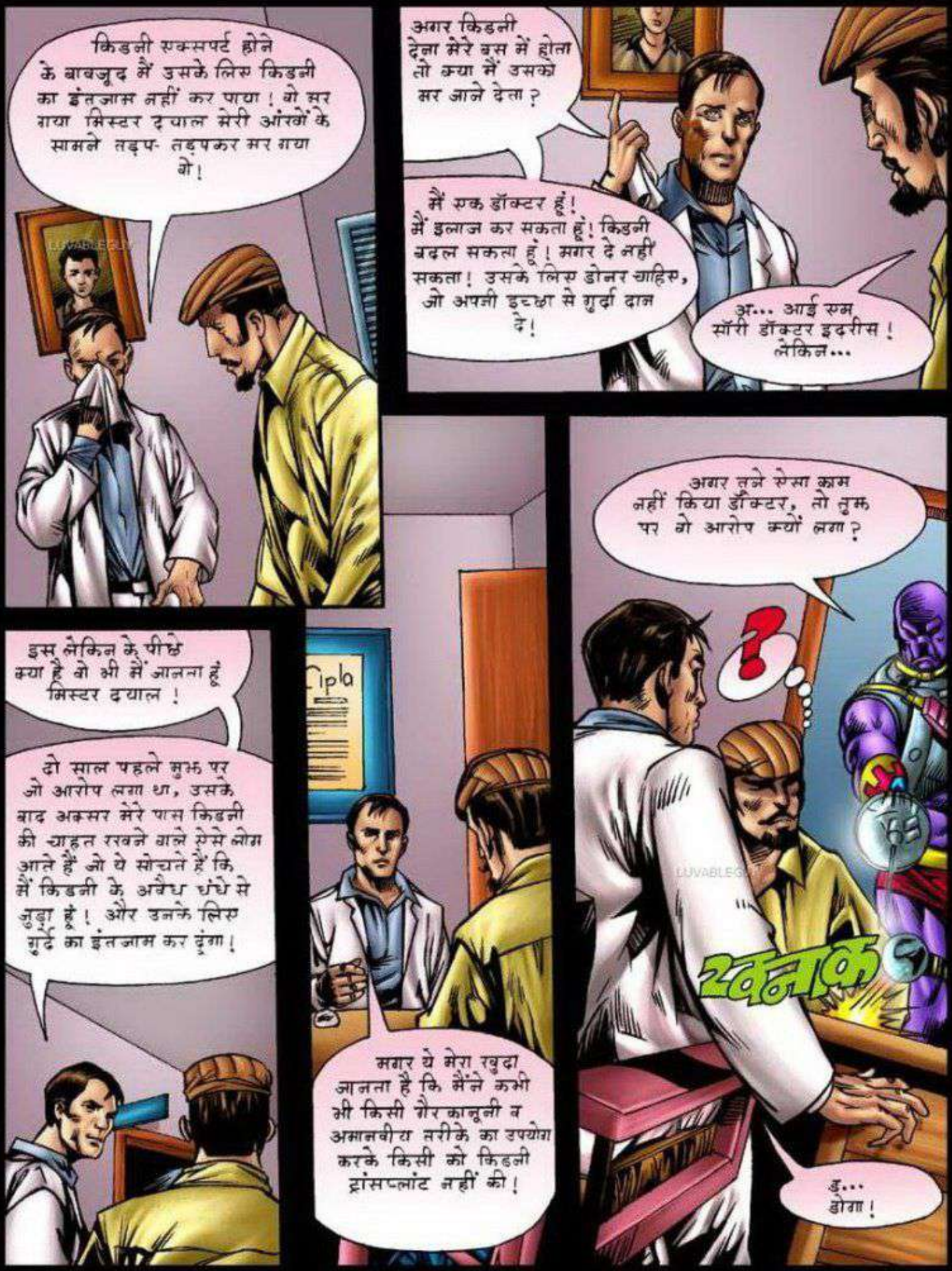

किडनी एक्सपर्ट होने के बावजूद मैं उसके लिए किडनी का इंतजाम नहीं कर पाया! वो मर गया मिस्टर दयाल मेरी आँखों के सामने तड़प-तड़पकर मर गया वो!
अगर किडनी देना मेरे बस में होता तो क्या मैं उसको मर जाने देता?
मैं एक डॉक्टर हूँ! मैं इलाज कर सकता हूँ! किडनी बदल सकता हूँ! मगर दे नहीं सकता! उसके लिए डोनर चाहिए, जो अपनी इच्छा से गुर्दा दान दे!
अ... आई एम सॉरी डॉक्टर इदरीस! लेकिन...
इस लेकिन के पीछे क्या है वो भी मैं जानता हूँ मिस्टर दयाल!
दो साल पहले मुझ पर जो आरोप लगा था, उसके बाद अक्सर मेरे पास किडनी की चाहत रखने वाले ऐसे लोग आते हैं जो ये सोचते हैं कि मैं किडनी के अवैध धंधे से जुड़ा हूँ! और उनके लिए गुर्दे का इंतजाम कर दूंगा!
मगर ये मेरा खुदा जानता है कि मैंने कभी भी किसी गैर कानूनी व अमानवीय तरीके का उपयोग करके किसी को किडनी ट्रांसप्लांट नहीं की!
अगर तुमने ऐसा काम नहीं किया डॉक्टर, तो तुम पर वो आरोप क्यों लगा?
?
खनाक
ड... डोगा!

बता, वरना ये गोली खोपड़ी के पार कर दूंगा!
यदि तुम मुझे गुनाहगार समझते हो तो जरूर ऐसा करना डोगा!
मगर हकीकत ये है कि खटास भाई की बीवी को गुर्दा न लगा पाने के कारण हुई उसकी मौत से वो मुझसे खफा हो गया था, जिसका बदला उसने मुझसे इस तरह लिया! वो चाहता था कि अपनी जोरू के ब्लड ग्रुप वाले अपने किसी भी पेशेंट को मारकर मैं किसी भी तरह उसकी जोरू के लिए गुर्दे का इंतजाम करूं! मेरे सख्ती के साथ मना करने पर उसने खुद ऐसा किया, मगर मैं अपने पेशे से गद्दारी नहीं कर सकता था! मैंने उसे गुर्दे का ट्रांसप्लांट नहीं किया!
अगर ये बात झूठ हुई तो चौबीस घंटे के अंदर तेरी मौत की खबर टी. वी. पर होगी!
डोगा! मैं उसे परख रहा था ना! तुम्हें बीच में आने से मना किया था ना?
मुझसे रहा नहीं गया चीता, मैं उस पर लगे आरोप का कारण तुरन्त जानना चाहता था!
अब यहां से तुम घर लौट जाओ! मुझे खटास भाई के पास जाना है!
डोगा की आंखों से शोले बरस रहे थे-
जिंग जिंग
अपनी जिन्दगी से दो साल ज्यादा जी गया तू खटास भाई, क्योंकि दो साल पहले तूने अपनी बीवी के गुर्दे के लिए जिसका कत्ल किया था उसकी सजा से तू बच गया था!
डोगा!

तो क्या ? अपुन खुल्लम खुल्ला बोलता है कि गुर्दे के लिए अपुन ने वो कत्ल किया था! भविष्य में डॉक्टर इदरीस पर कोई जानलेवा हमला हुआ तो उसका जिम्मेदार अपुन को ही माना जाएगा! जज की इस चेतावनी के बाद अपुन अभी तक भी उस हरामखोर डॉक्टर को नहीं मार सका! मगर उसे एक ना एक दिन अपुन ही मारेगा डोगा!
LUVABLEGUY
पर तुम अपुन को मार देगा तो फिर अपुन उस डॉक्टर को कैसे मारेगा रे! उसके लिए अपुन को जिन्दा रहना होगा! और अपुन जिन्दा रहे उसके लिए तुझे मरना होगा!
धांय धांय धांय
पता लग गया कि डॉक्टर इदरीस निर्दोष था!
एक बार फिर डोगा अंधेरे में खड़ा था-
तो फिर बच्चों को कौन गायब कर रहा है?
तीस सेकंड बाद रबटास भाई का शरीर धम्म से फर्श पर गिरा-
आह! ड... डोगा! अपुन ने तुझे... कितनी गोलियां मारीं, तुझे एक भी नहीं लगी... पर तूने मुझे कब गोली मारी... प... पता...हीच ... नहीं चला...

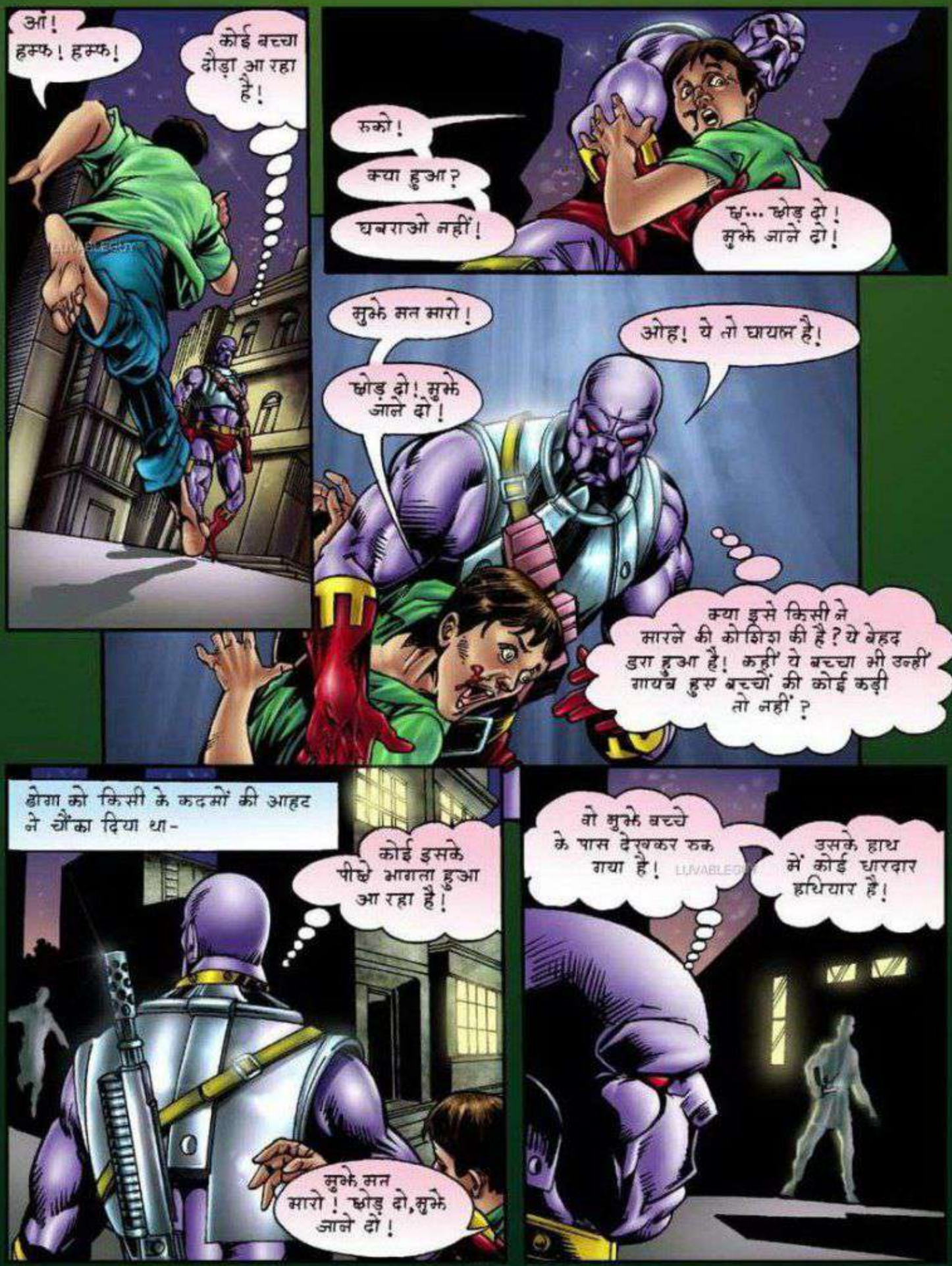

आं! हम्फ! हम्फ!
कोई बच्चा दौड़ा आ रहा है!
रुको!
क्या हुआ?
घबराओ नहीं!
छ... छोड़ दो! मुझे जाने दो!
मुझे मत मारो!
छोड़ दो! मुझे जाने दो!
ओह! ये तो घायल है!
क्या इसे किसी ने मारने की कोशिश की है? ये बेहद डरा हुआ है! कहीं ये बच्चा भी उन्हीं गायब हुए बच्चों की कोई कड़ी तो नहीं?
डोगा को किसी के कदमों की आहट ने चौंका दिया था-
कोई इसके पीछे भागता हुआ आ रहा है!
मुझे मत मारो! छोड़ दो, मुझे जाने दो!
वो मुझे बच्चे के पास देखकर रुक गया है!
उसके हाथ में कोई धारदार हथियार है!

वो वापस भाग रहा है!
वो बच्चों का वही रहस्यमय अपहरण-कर्ता हो सकता है! मुझे उसे पकड़ना होगा! मगर इस बच्चे को भी नहीं छोड़ सकता!
मुझे मत मारो! मुझे जाने दो! छोड़ दो! आह!
ओफ्फ! ये बेहोश हो गया है!
वुफ!
डोगा ने आसपास मौजूद कुत्ते को पुकारा था-
उसकी कुत्ता फौज के सिपाही उसकी आवाज सुनकर चले आते थे! आज भी चला आया था एक सिपाही-
गुर्रर... भूरा! इसकी देखभाल और सुरक्षा तुम्हारे जिम्मे है! यहीं रहना!
वुफ
शायद आज खुल जाएगा गायब बच्चों का रहस्य!
गुर्रर वुफ! बताओ मुझे! इधर से कोई भागकर निकला है!
वुफ गर्रर्र!
कुत्ता गंध का पीछा करता हुआ आगे बढ़ चला-

ये शिवाजी गली में गया है!
वुफ!
अपहरण किस वास्ते सभी बच्चों को किसी ना किसी कार्यवश इधर आते देखा गया है!
मुझे पहले ही इस जगह पर शक था!
मेरी कुत्ता फौज का सिपाही उन दीवार पर पंजे मार रहा है!
वुफ गर्रर्र!
मतलब वो रहस्यमय साया इसी कोठी में गया है!
ये कोठी का पिछला हिस्सा है!

चारदीवारी से अंदर कूदने पर उसके जूतों के निशान बने हुए हैं!
ये कोठी उसका निवास स्थल है या सिर्फ मुझसे बचने के लिए वो इसमें घुसा है!
कोठी के सभी दरवाजे बंद हैं, यानी वो सिर्फ बचने के लिए नहीं घुसा, वरना आसानी से भीतर नहीं आ पाता, क्योंकि रात के वक्त अक्सर कोठियों के दरवाजे भीतर से बंद होते हैं!
ये कोठी उसका निवास हो सकती है!
कोठी मिल गई!
अब बच्चे भी मिल जायेंगे!
कड़ाक
अपनी सौत की आवाज को नहीं पहचानता तू!
राघवन! अरे ओ राघवन! ये आवाज कैसी थी?
तू... तुम? तुम तो शायद डोगा हो! मैंने अखबारों में तुम्हारी तस्वीरें देखी हैं... तुम दरवाजा तोड़कर मेरे घर में क्यों घुसे?

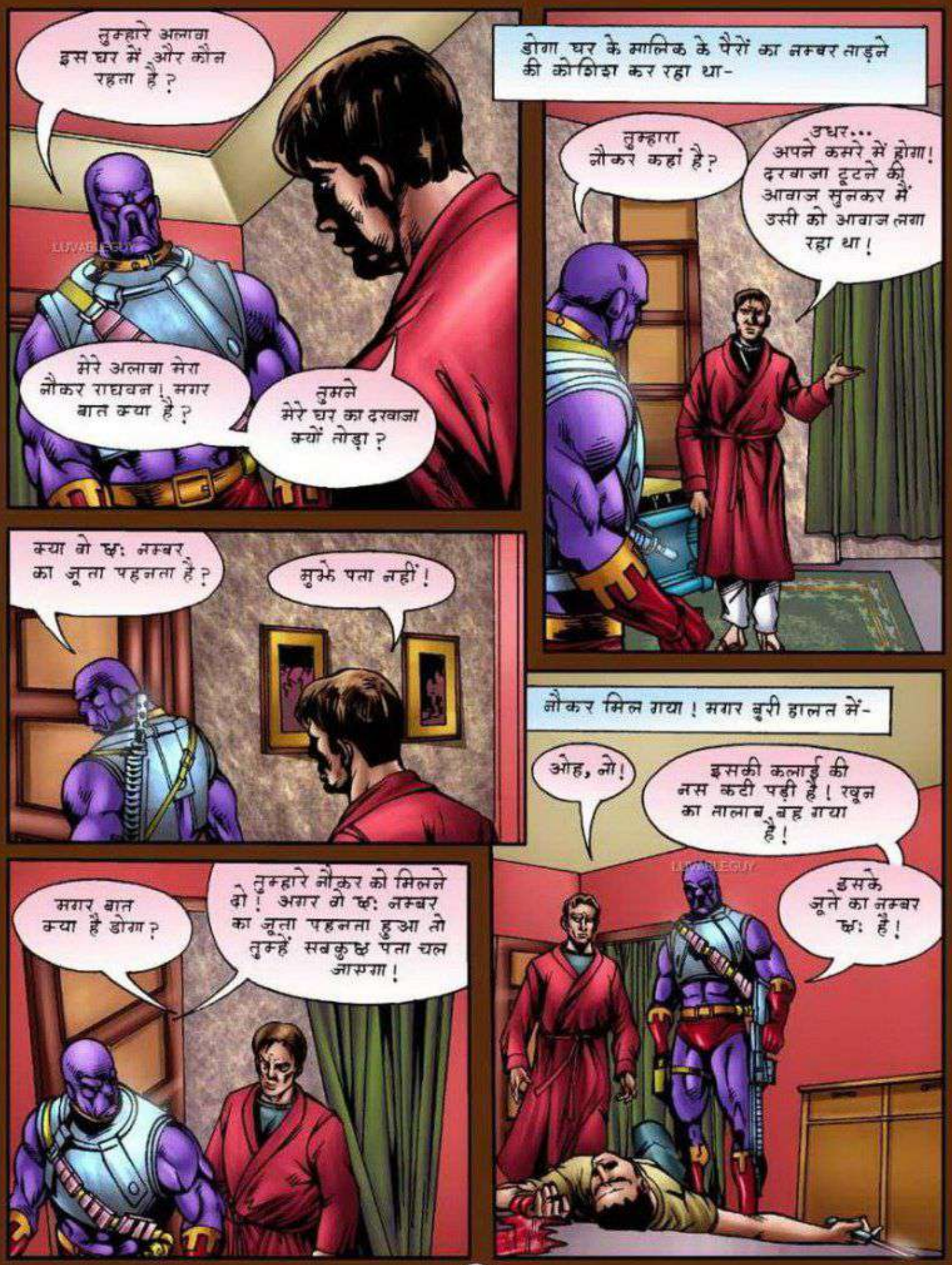
तुम्हारे अलावा इस घर में और कौन रहता है ?
मेरे अलावा मेरा नौकर राघवन ! मगर बात क्या है ?
तुमने मेरे घर का दरवाजा क्यों तोड़ा ?
डोगा घर के मालिक के पैरों का नम्बर ताड़ने की कोशिश कर रहा था-
तुम्हारा नौकर कहां है ?
उधर... अपने कमरे में होगा! दरवाजा टूटने की आवाज सुनकर मैं उसी को आवाज लगा रहा था !
क्या वो ७: नम्बर का जूता पहनता है ?
मुझे पता नहीं !
नौकर मिल गया ! मगर बुरी हालत में-
ओह, नो!
इसकी कलाई की नस कटी पड़ी है ! खून का तालाब बह गया है !
इसके जूते का नम्बर ७: है !
मगर बात क्या है डोगा ?
तुम्हारे नौकर को मिलने दो ! अगर वो ७: नम्बर का जूता पहनता हुआ तो तुम्हें सबकुछ पता चल जायगा !

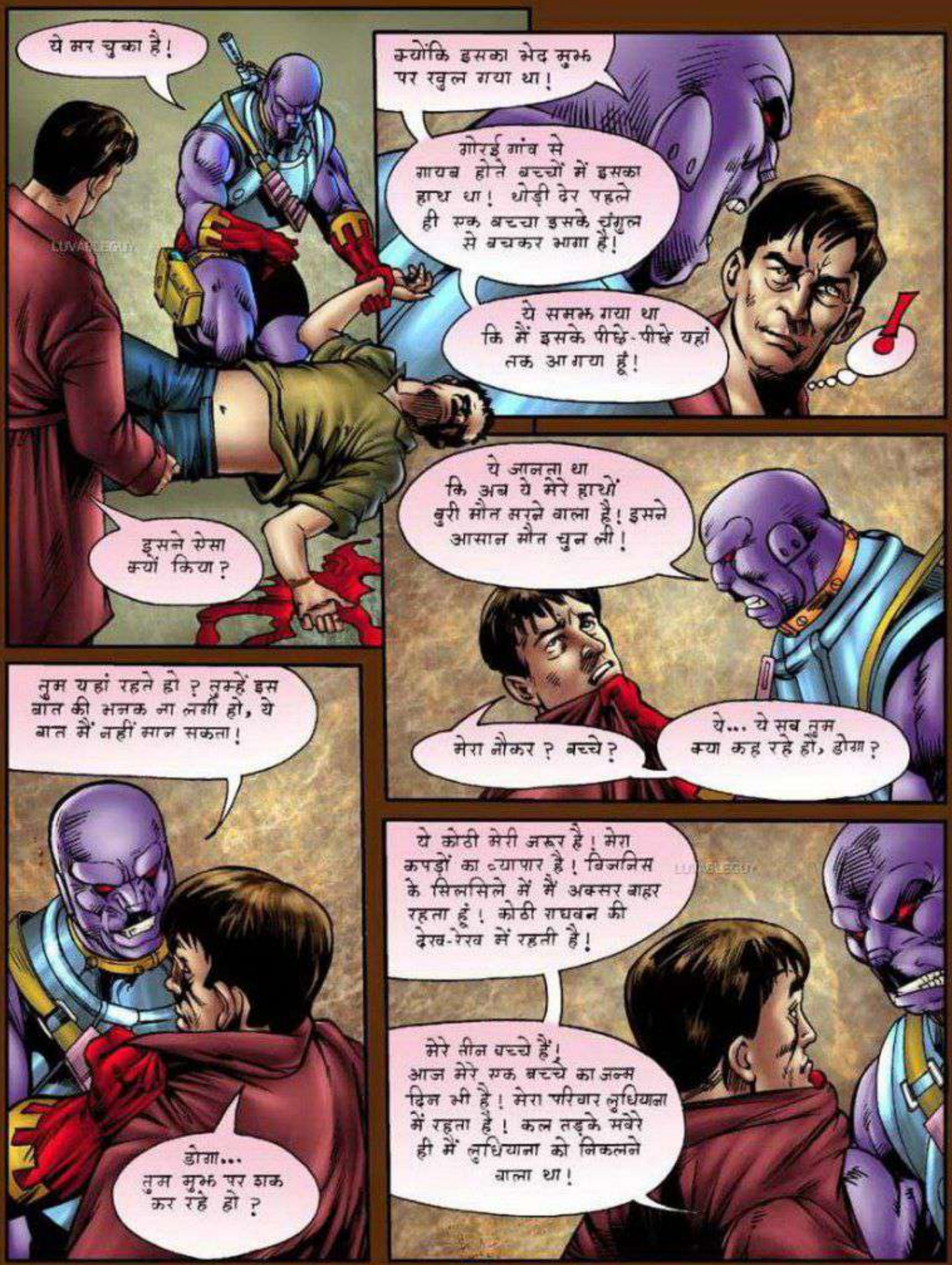
ये मर चुका है!
इसने ऐसा क्यों किया?
क्योंकि इसका भेद मुझ पर खुल गया था!
गोरई गांव से गायब होते बच्चों में इसका हाथ था! थोड़ी देर पहले ही एक बच्चा इसके चंगुल से बचकर भागा है!
ये समझ गया था कि मैं इसके पीछे-पीछे यहां तक आ गया हूं!
ये जानता था कि अब ये मेरे हाथों बुरी मौत मरने वाला है! इसने आसान मौत चुन ली!
मेरा नौकर? बच्चे?
ये... ये सब तुम क्या कह रहे हो, डोगा?
तुम यहां रहते हो? तुम्हें इस बात की भनक ना लगी हो, ये बात मैं नहीं मान सकता!
डोगा... तुम मुझ पर शक कर रहे हो?
ये कोठी मेरी जरूर है! मेरा कपड़ों का व्यापार है! बिजनिस के सिलसिले में मैं अक्सर बाहर रहता हूं! कोठी राघवन की देख-रेख में रहती है!
मेरे तीन बच्चे हैं! आज मेरे एक बच्चे का जन्म दिन भी है! मेरा परिवार लुधियाना में रहता है! कल तड़के सवेरे ही मैं लुधियाना को निकलने वाला था!

और फिर वहां से मैं कोचीन चला जाता!
तुम जो कुछ कह रहे हो, मुझे उस पर यकीन करना मुश्किल है! इस कॉलोनी में आर. के. ठक्कर नाम की इज्जत है! लुधियाना में मेरी रेपुटेशन है डोगा और तुम मेरा नाम इस कांड में जोड़ रहे हो?
ये चाकू उस वक्त तुम्हारे नौकर के हाथ में था! शायद वो उस बच्चे को मार डालना चाहता था!
इसने बाकी बच्चों के साथ क्या किया? मार डाला? बेच डाला? क्या किया? क्यों किया?
उफ!
इसकी मौत के साथ सारी गुत्थियां अनसुलझी रह गईं!
मैं तुम्हारी कोठी की तलाशी लेना चाहता हूं मिस्टर ठक्कर!
तुम्हें मना कैसे कर सकता हूं! मैं भी तुम्हारी मदद करूंगा!
तलाशी में डोगा को कोई कामयाबी नहीं मिली-
यहां बच्चों से जुड़ा कोई भी सुराग मुझे नहीं मिला!
मुझे अभी तक यकीन नहीं हो रहा कि मेरा नौकर? उफ! बच्चों को वो क्यों गायब करेगा? किसलिए मारेगा उन्हें?

डोगा! ये भी तो हो सकता है कि इसने पहले ही बच्चे को किडनैप करने की कोशिश की हो? या किसी और मकसद से बच्चे के पीछे भाग रहा हो!
मत भूलो डोगा कि अभी तक किसी भी बच्चे का शव पुलिस को नहीं मिला है!
तो फिर इसने आत्महत्या क्यों कर ली?
ये तो मुझे नहीं पता डोगा! लेकिन अपने नौकर की इस हरकत से मैं और मेरा चरित्र मुझे मुसीबत में फंसे नजर आ रहे हैं!
क्या कहना चाहते हो?
डोगा अगर गोरई गांव के लोगों को मेरे नौकर की हरकत का पता चल गया तो वो सारे बच्चों की किडनैपिंग में उसका हाथ मानकर गुस्से में मेरी कोठी को मेरी चिता बनाकर आग लगा देंगे!
मैं अपने आपको मुसीबत में फंसता दिखाई पड़ रहा हूं डोगा! और मुझे इस मुसीबत से सिर्फ तुम निकाल सकते हो!
तुम चाहते हो कि तुम्हारे नौकर की करतूत का किसी को पता न चले!
कई डरावनी आशंकाओं से भरे जा रहे ठक्कर ने कोई जवाब नहीं दिया! डोगा बोला-
बच्चों की तलाश के लिए पुलिस की इस एंगल से तफ्तीश जरूरी है!

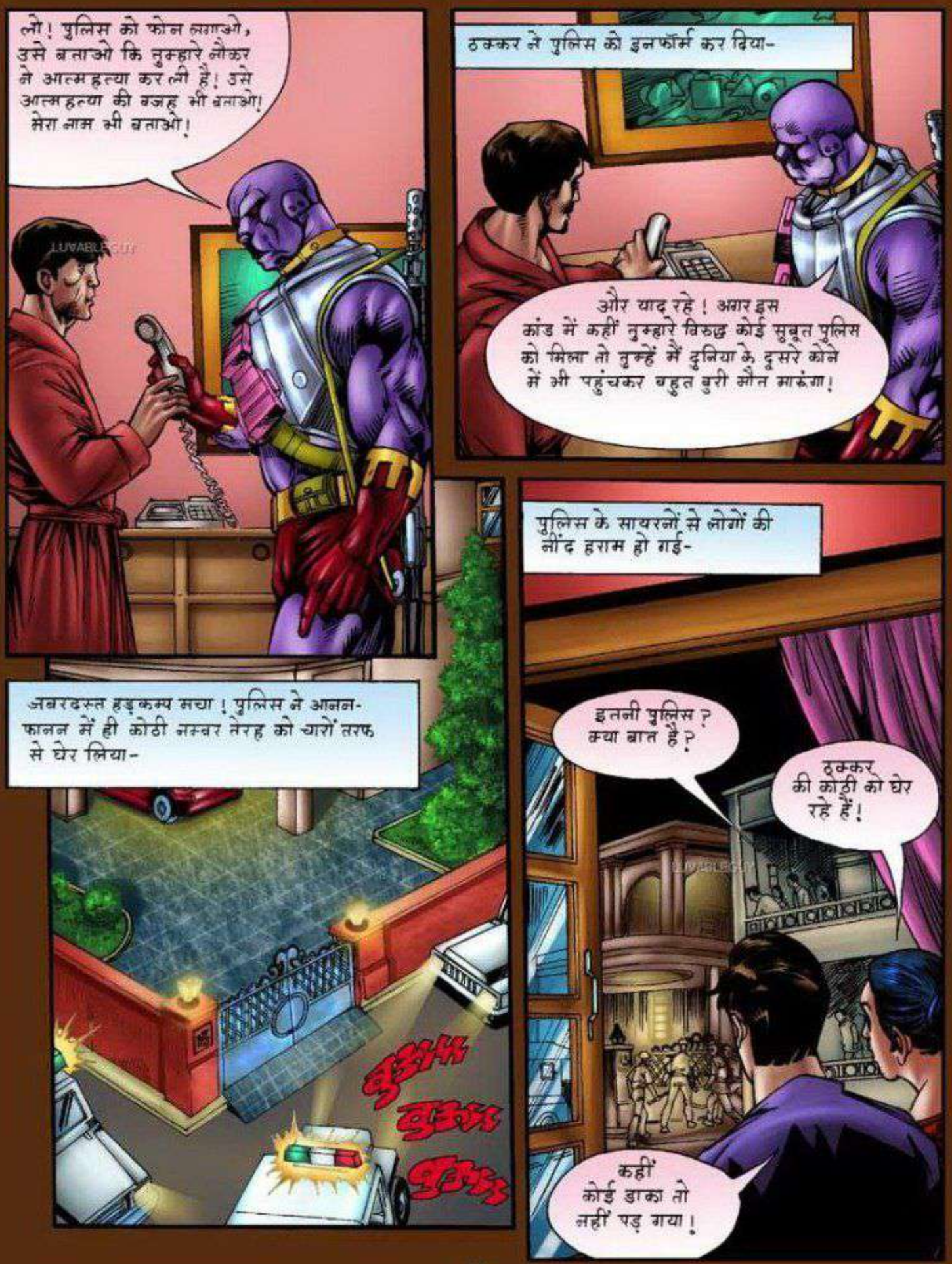

लो! पुलिस को फोन लगाओ, उसे बताओ कि तुम्हारे नौकर ने आत्महत्या कर ली है! उसे आत्महत्या की वजह भी बताओ! मेरा नाम भी बताओ!
ठक्कर ने पुलिस को इनफॉर्म कर दिया-
और याद रहे! अगर इस कांड में कहीं तुम्हारे विरुद्ध कोई सुबूत पुलिस को मिला तो तुम्हें मैं दुनिया के दूसरे कोने में भी पहुंचकर बहुत बुरी मौत मारूंगा!
जबरदस्त हड़कम्प मचा! पुलिस ने आनन-फानन में ही कोठी नम्बर तेरह को चारों तरफ से घेर लिया-
पुलिस के सायरनों से लोगों की नींद हराम हो गई-
इतनी पुलिस? क्या बात है?
ठक्कर की कोठी को घेर रहे हैं!
कहीं कोई डाका तो नहीं पड़ गया!

पुलिस के कुत्ते भी आए हैं!
कोई न कोई कांड तो हुआ है!
ठक्कर साब कोठी में थे भी या नहीं!
उनका नौकर तो रहा ही होगा!

मामले की गंभीरता के कारण इंस्पेक्टर सूर्य को वहां बड़े- बड़े अफसरों के आने की उम्मीद थी-
इस कोठी का मालिक आर. के. ठक्कर तो कह रहा था कि वो खुद भी यहां मौजूद है! उसे डोगा ने वहां मौजूद रहने के लिए कहा था!
मगर सूर्य पूरी कोठी में ठक्कर कहीं भी नहीं मिला!

बाहर लोगों में बेचैनी बढ़ रही थी-
अरे भई सुनो! क्या हुआ ठक्कर साब के यहां?
उनके नौकर ने डोगा की मार के डर से खुदकुशी कर ली है!
डोगा की मार के डर से?

हां! डोगा ने उसे एक बच्चे का पीछा करते हुए पकड़ा था! गोरई गांव से गायब होते बच्चों के पीछे नौकर राघवन का हाथ होने की पूरी- पूरी आशंका है!
क्या?
और तुम लोग इधर भीड़ मत लगाओ! खुद कमिश्नर साब यहां आने वाले हैं!

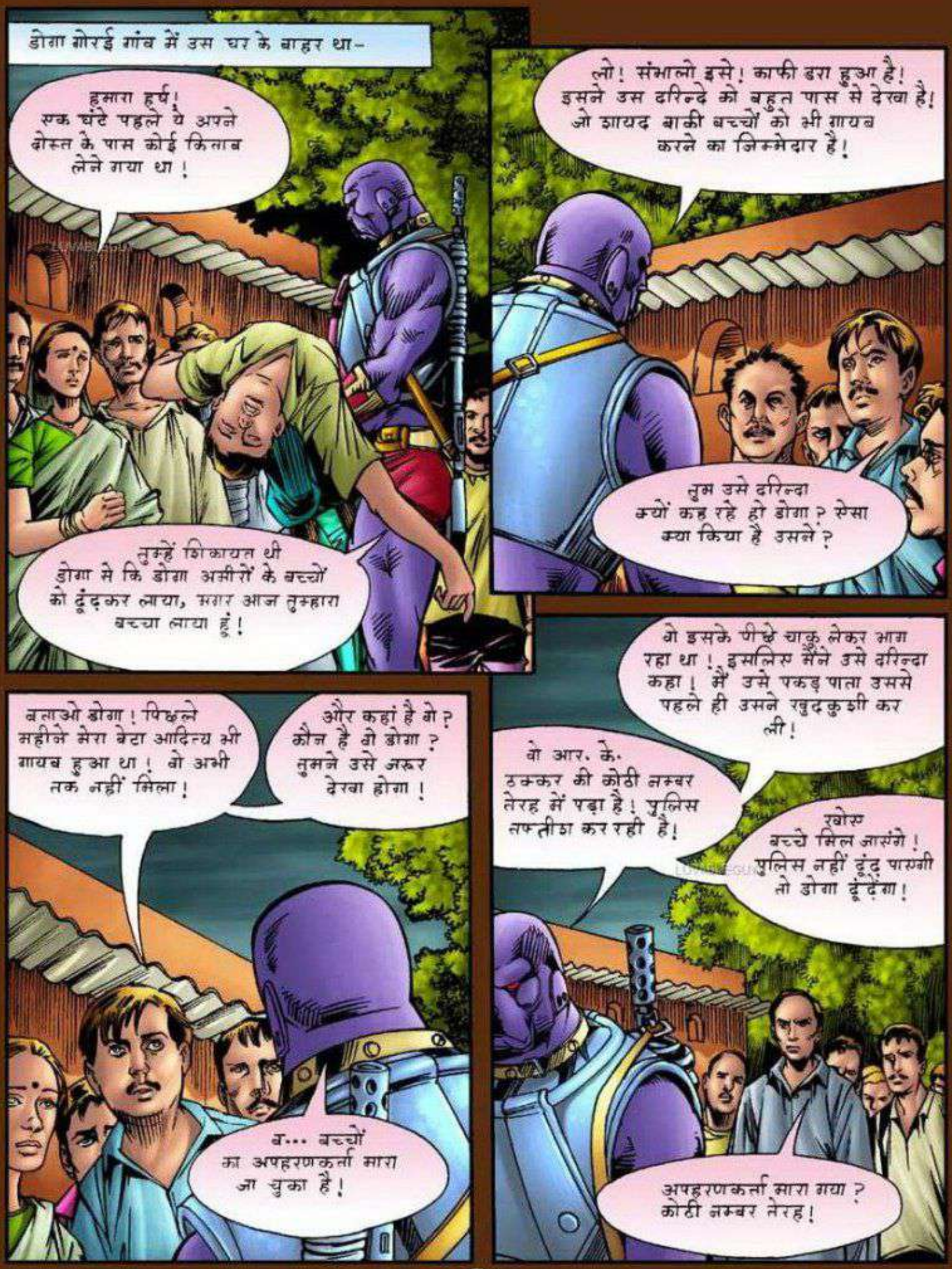

डोगा गोरई गांव में उस घर के बाहर था–
हमारा हर्ष! एक घंटे पहले ये अपने दोस्त के पास कोई किताब लेने गया था!
तुम्हें शिकायत थी डोगा से कि डोगा अमीरों के बच्चों को ढूंढ़कर लाया, मगर आज तुम्हारा बच्चा लाया हूं!
लो! संभालो इसे! काफी डरा हुआ है! इसने उस दरिन्दे को बहुत पास से देखा है! जो शायद बाकी बच्चों को भी गायब करने का जिम्मेदार है!
तुम उसे दरिन्दा क्यों कह रहे हो डोगा? ऐसा क्या किया है उसने?
वो इसके पीछे चाकू लेकर भाग रहा था! इसलिए मैंने उसे दरिन्दा कहा! मैं उसे पकड़ पाता उससे पहले ही उसने खुदकुशी कर ली!
बताओ डोगा! पिछले महीने मेरा बेटा आदित्य भी गायब हुआ था! वो अभी तक नहीं मिला!
और कहां है वो? कौन है वो डोगा? तुमने उसे जरूर देखा होगा!
ब... बच्चों का अपहरणकर्ता मारा जा चुका है!
वो आर. के. ठक्कर की कोठी नम्बर तेरह में पड़ा है! पुलिस तफ्तीश कर रही है!
खोए बच्चे मिल जाएंगे! पुलिस नहीं ढूंढ़ पाएगी तो डोगा ढूंढ़ेगा!
अपहरणकर्ता मारा गया? कोठी नम्बर तेरह!

सूरज अपने कमरे में टी. वी. के सामने आ डटा-
सूरज बेटे ! तुम्हारी पलकें बोझिल हो रही हैं!
अपनी जिद्द छोड़ दो !
इन पलकों को गायब तीस बच्चों ने जकड़ रखा है अदरक चाचा! वो इन्हें बंद नहीं होने देंगे!
बच्चों के अपहरणकर्ता ने खुदकुशी कर ली है ! मगर बच्चों का पता नहीं चला !
और जब तक बच्चे नहीं मिल जाते, मैं सो नहीं सकता !
सूरज अदरक चाचा को सारी बातें बताता चला गया –
सूरज के कान जिस खबर को सुनने के लिए बेचैन थे, वो टी. वी. से गायब थी-
पुलिस का कहना है कि कोठी के मालिक ठक्कर ने घटनास्थल पर स्वयं की मौजूदगी की बात कही थी ! मगर वो अभी तक पुलिस को नहीं मिला है ! बच्चों के गायब होने में उसकी इनवॉल्वमेंट से पुलिस इंकार नहीं कर रही ! शायद डोगा के वहां से जाते ही ठक्कर भी भाग गया है!
ठक्कर ने ऐसा क्यों किया ?
अगर गुनाहगार नौकर राघवन था तो उसे फरार होने की क्या जरूरत थी ?
वो उस समय भी डर रहा था ! शायद डर के कारण ही भाग गया होगा !

हर ओर से मिली मायूसी, नाकामी किसी के अंधविश्वास को विश्वास में बदल सकती है-

हां मैं बता सकता हूं! अगर ऐसे लोग मेरे पास आएं तो मैं उनके खोए हुए बच्चों का पता बता सकता हूं! आप मुझे साइको कहकर पुकार सकते हैं!

साइको ये हमारे बच्चे रिशी की तस्वीर है!

वो एक सप्ताह पहले गायब हुआ था!

इसकी कोई चीज लाए हो, मेरा मतलब उसका पहना या स्पर्श किया हुआ कोई ऐसा कपड़ा, जो स्पर्श के बाद धुला ना हो! या ऐसी कोई वस्तु!

हां! एक दिन पहले उसने ये शर्ट धोने के लिए उतारी थी!

काफी है!

प्रत्येक जीव के शरीर के इर्द-गिर्द एक ऊर्जा क्षेत्र होता है, जिसे उस व्यक्ति का 'ओरा' कहा जाता है!

जब कोई वस्तु उस व्यक्ति के संपर्क में आती है तो वो स्वयं भी कुछ मात्रा में उस ऊर्जा को ग्रहण करती है!

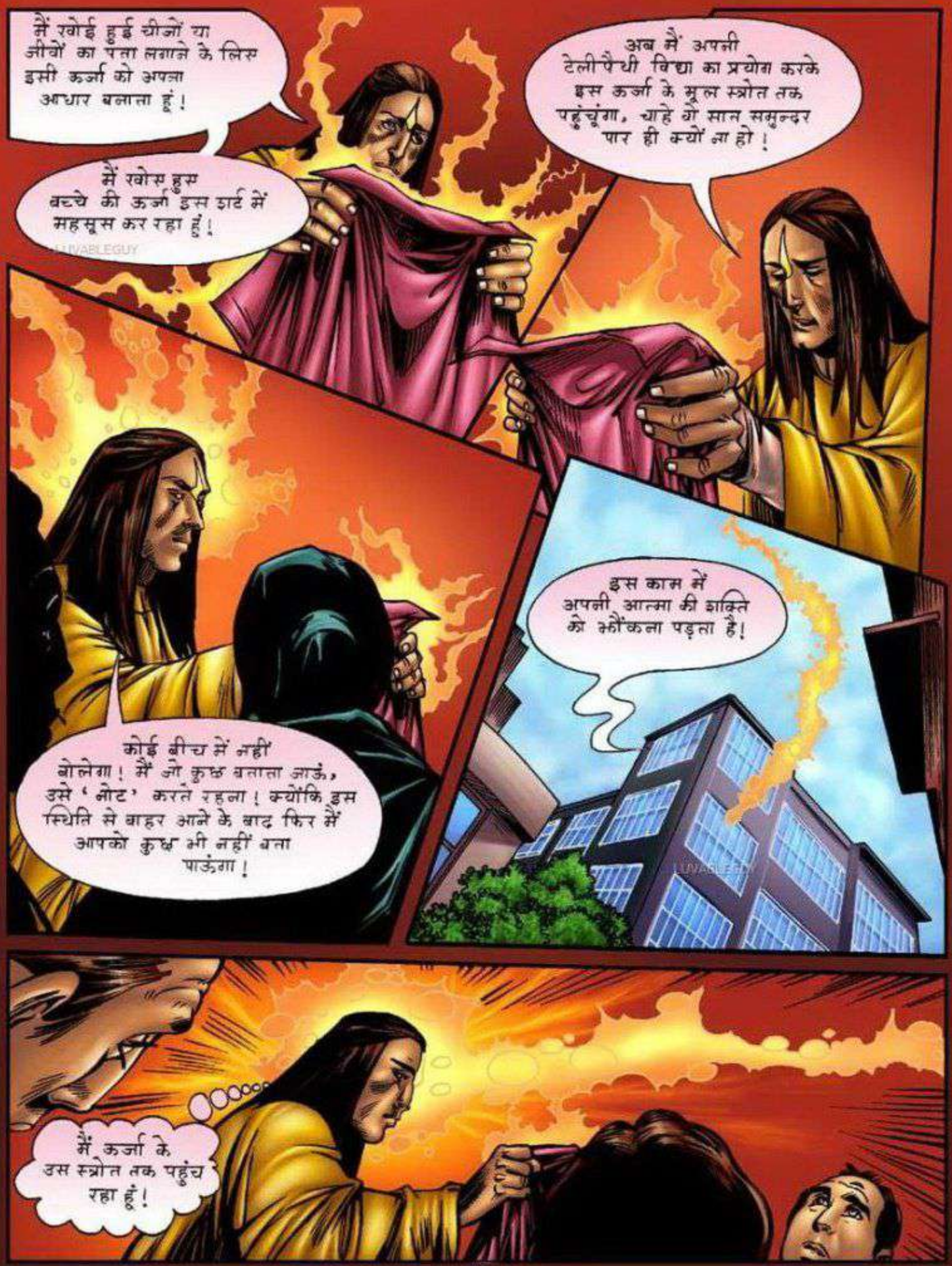
मैं खोई हुई चीजों या जीवों का पता लगाने के लिए इसी ऊर्जा को अपना आधार बनाता हूं!
अब मैं अपनी टेलीपैथी विद्या का प्रयोग करके इस ऊर्जा के मूल स्त्रोत तक पहुंचूंगा, चाहे वो सात समुन्दर पार ही क्यों ना हो!
मैं खोए हुए बच्चे की ऊर्जा इस शर्ट में महसूस कर रहा हूं!
इस काम में अपनी आत्मा की शक्ति को झोंकना पड़ता है!
कोई बीच में नहीं बोलेगा! मैं जो कुछ बताता जाऊं, उसे 'नोट' करते रहना! क्योंकि इस स्थिति से बाहर आने के बाद फिर मैं आपको कुछ भी नहीं बता पाऊंगा!
मैं ऊर्जा के उस स्त्रोत तक पहुंच रहा हूं!

क्या है बच्चों के गायब होने का रहस्य? फिरौती? रंजिश? खरीद फरोख्त? मानव अंगों की तस्करी? या फिर कोई और घिनौना कारण?

सवाल बहुत हैं और जवाब एक ही है।

डोगा का रोमांचक कॉमिक।

भूखा डोगा